



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 37] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 12, 1981 (भाद्रपद 21, 1903)
No 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 12, 1981 (BHADRA 21, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 अगस्त 1981

सं. ए-35014/1/79-प्रशा. 11—संघ लोक सेवा आयोग के के. स. से. संवर्ग में स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री योगेन्द्र नाथ को सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 20-7-81 से 19-10-81 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो की पहले हों, तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर श्री योगेन्द्र नाथ का वेतन समय समय पर यथा संशोधित वित्त मंत्रालय वय्य विभाग के का. झा. सं. एफ-10(24)-ई।।।, दिनांक 4-5-61 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

डी. एस. पाहवा
अनुभाग अधिकारी
सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं. ए. 32013/3/79-प्रशा. -1 (भाग-11)—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 18 जून, 1981 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. 1-236GI/81

से. के. स्थायी ग्रेड-1 अधिकारी श्री बी. दाम गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा 3-7-1981 से 2-10-1981 तक तीन मास की अग्रतर अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो की पहले हों, उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर के. स. के चयन ग्रेड में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

य. रा. गांधी
अवर सचिव (प्रशा.)
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 21 अगस्त 1981

सं. ओ. वॉ.-1594/81-स्थापना—राष्ट्रपति श्री डी. डी. गुप्ता, मध्य प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उप-महानिरीक्षक, श्रीनगर के पद का कार्यभार दिनांक 1-8-1981 के अपराह्न से संभाला।

ए. के. सूरि
सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. 10/19/81-प्रशा.-1--राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के उप निदेशक जनगणना कार्य और इस समय संयुक्त निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत डा. एच. मजूमदार को उसी कार्यालय में तारीख 20 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न में एक वर्ष से अतिरिक्त अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर 1500-1800 रु. के वेतनमान में संयुक्त निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा. मजूमदार का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्त डा. मजूमदार को संयुक्त निदेशक के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर संयुक्त निदेशक के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को, नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए, रद्द किया जा सकता है।

पी. पंमनाथ
भारत के महापंजीकार

श्रम मंत्रालय
(श्रम व्यरों)

शिमला-171004, दिनांक 5 सितम्बर 1981

सं. 23/3/81-मो. पी. आर्. --जुलाई, 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जन, 1981 के स्तर से 8 अंक बढ़ कर 447 (चार सौ सत्तालीस) रहा 1 जुलाई 1981 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 543 (पांच सौ नौतालीस) आता है।

टी. योगानंद
उप निदेशक

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 अगस्त 1981

सं. 36/वा. ले. प./75-71--श्री वी. के. शर्मा लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) जोकि सदस्य लेखा-परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, नई दिल्ली में काम करते थे, को 5-5-1981 को मृत्यु हो गयी।

एम. ए. सोमेश्वर राव
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं. प्रशासन-1/2-1/7/2002-10--निदेशक लेखा परीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली, श्री. पी. पी. जेरथ, अनुभाग अधिकारी (लेखा तथा लेखा परीक्षा) को 840-40-1000-द. रं. -40-1200 रूपयों के

वेतनमान में दिनांक 13-7-81 (अप.) से अनन्तिम आधार पर अस्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करने के आदेश देने हैं।

जी. आर. मूद
संयुक्त निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 24 जून 1981

सं. प्रशासन-1/2(1)/7/1413-19--निदेशक लेखा परीक्षा, वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध, नई दिल्ली निम्न अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के आगे दर्शाई गई तिथि से 840-40-1000-द. रं. -40-1200 रूपयों के वेतनमान में अनन्तिम आधार पर अस्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करने के आदेश देते हैं।

नाम और पदोन्नत होने की तिथि

श्री ओ. पी. मेठ--30-4-1981 (अप.)

श्री के. डी. शर्मा--9-6-1981 (अप.)

ग. र. मूद
संयुक्त निदेशक (प्र.)

महालेखाकार का कार्यालय

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 12 अगस्त 1981

सं. स्थापना/प्र./7/9-86/खण्ड 2/154--श्री एस चेलेप्पन, लेखा अधिकारी की मल नियुक्ति की तारीख को 1-4-79 में पूर्वदिनांकित करने के लिए महालेखाकार कोरल, संतुष्ट हुए हैं।

नीचे बताये स्थानापन्न लेखा अधिकारियों (लेखा और लेखा-परीक्षा) को प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से रु. 840-40-1000-द रं. -40-1200 के लेखा अधिकारियों के ग्रेड में मौलिक क्षमता में नियुक्त करने के लिए भी महालेखाकार, कोरल संतुष्ट हुए हैं।

- 1 श्री पी. यू. साणी--1-6-79
- 2 श्रीमती काथलोन एमक--1-11-79
- 3 श्री टी. एल. वरकी--1-1-81
- 4 श्री टी. चेल्लप्पन नायर--10-1-81
- 5 श्री सी. जे. जोर्ज--1-3-81
- 6 श्री एम. जे. मात्यू--1-5-81
- 7 श्री पी. लक्ष्मीनारायण शर्मा--1-6-81

डी. शिवरामकृष्णन
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

आइन्स फेक्टरी बोर्ड

डी.जी.ओ.एफ. मुख्यालय सिविल सेवा

कलकत्ता-700069, दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. 16/81/ए/ई-1(एलजी)--डी. जी. ओ. एफ. महादय, श्री योगेन्द्र नाथ गोस्वामी, सहायक स्टाफ अफसर (तदर्थ) को तारीख 14-7-81 से आगामी आदेश न होने तक, वर्तमान रिक्ति में स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर के पद पर वरिष्ठता पर बिना प्रभती हुए प्रोन्नत करते हैं।

श्री गोस्वामी अपनी प्रोन्नति की तारीख से आगामी दो वर्षों तक परखा-वधि पर रहेंगे।

डी. पी. चक्रवर्ती
ए. डी. जी. ओ. एफ./प्रशासन
कृत महानिदेशक, आइन्स फेक्टरी

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1981

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं. 6/1135/76-प्रशा. (राज.) 4737--राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकी सेवा के वर्ग-2 के अधिकारी और इस कार्यालय में सांख्यिकी निदेशक के पद पर कार्य कर रहे श्री आर. सदासिवन को 31 जुलाई, 1981 से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

ए. एन. कौल
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विक्रम आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 अगस्त 1981

सं. ए-19018/554/81-प्रशा. (राज.)--विकास आयुक्त (लघु उद्योग), वेतन एवं लेखा कार्यालय (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री एस. के. गोड़ को दिनांक 26 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से अपने कार्यालय में दिनांक 20 जून, 1981 से 7 अक्टूबर, 1981 तक की अवधि के लिए लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. ए 19018/521/81-प्रशासन (राजपत्रित)--राष्ट्रपति जी, श्री अरविन्द एस. माधविकर को दिनांक 17 जून, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (वैद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 अगस्त 1981

सं. 12(760)/72-प्रशा. (राज.)--राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) श्री गुरू स्वामी को दिनांक 7 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली में उप निदेशक (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19018/269/77-प्रशा. (राज.)--निवर्तन की आयु पूरी कर लेने पर श्री आर. एस. सूरि ने दिनांक 30 जून, 1981 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ए-19018(504)/80-प्रशा. (राज.)--निवर्तन की आयु पूरी होने पर, श्री जे. पी. गुप्ता ने दिनांक 31 जुलाई, 1981 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं. ए-19018/523/81-प्रशा. (राज.)--राष्ट्रपतिजी, श्री एस. रामाचन्द्रन को दिनांक 24 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, उत्पादन केन्द्र निवेशालय, एट्टमनूर में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (वैद्युत) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राय
उप निवेशक (प्रशासन)

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय

नई दिल्ली-19, दिनांक 11 अगस्त 1981

सं. ए-11013/1/79-स्थापना--इस निदेशालय की 18 फरवरी, 1981 की इसी संस्था की अधिसूचना के क्रम में नागरिक पूर्ति मंत्रालय में स्थानापन्न वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक श्री पी. एस. रावत की वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय में 650-30-740-35-810-द. रॉ.-35-880-40-1000-द. रॉ.-40-1200 रुपये के वेतनमान में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति को पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर 1 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से 31 दिसम्बर, 1981 तक अथवा नियमित पदधारी की नियुक्ति तक, जो भी पहले हो, जारी रखा गया है।

पी. एस. श्रीमा
मुख्य निवेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं. प्र 1/1(906)--निवेशक पूर्ति (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थायी अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड 11) श्री वी. एस. कश्यप निवृत्तमान आयु होने पर दिनांक 31-7-81 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एस. एल. कपूर
उप निवेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(ज्ञान विभाग)

इस्पात और ज्ञान मंत्रालय

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 11 अगस्त 1981

सं. 4656बी/ए-19012 (के. वी. के.)/80-19बी.--श्री के. वी. कुन्नाथ को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रॉ.-35-880-40-1000-द. रॉ.-40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 30-6-1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं. 4667बी/ए-19012 (1-एच. एम.)/80-19ए.--श्री हिरण्मय मिश्रा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 8 जून, 81 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. 4928 बी./ए-1912 (3-पी. के. एस.)/80-19-बी.—श्री पी. के. जैन को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु. प्रतिमाह के न्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-810-द. रो. -35-880-40-1000-द. रो. -40-1200 रु. के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2-6-1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

वी. एस. कृष्णस्वामी
महा निवेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं. ए-19012(144)/81-स्थापना ए—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री डी. पी. गुप्ता, स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (सांख्यिकी) की स्थानापन्न रूप में खनिज अधिकारी (सांख्यिकी) पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 4 जून, 1981 के पूर्वाह्न से पदोन्नति की जाती है।

दिनांक 17 अगस्त 1981

सं. ए-19011(292)/81-स्थापना ए—संघ लोक सेवा आयोग, की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एम. बह्मानन्दन, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) को दिनांक 28-7-81 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं. ए-19011(293)/81-स्थापना ए—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री के. ए. कृष्णा प्रसाद, स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूवैज्ञान) को दिनांक 25-7-81 के अपराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 20 अगस्त 1981

सं. ए-19011(294)/81-स्थापना-ए—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति, श्री ए. एस. भालेराव, स्थानापन्न सहायक खनिज इंजीनियर (वर्ग "ब" पोस्ट) को दिनांक 27 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) (वर्ग "अ" पोस्ट) के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस. वी. अली

कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं० ई० 1-5758/594-मैनेजर—निम्नलिखित अधिकारी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप "बी" (राजपत्रित) के अधीन सहायक प्रबन्धक (मानचित्र पुनरुत्पादन) के अस्थाई पदों पर स्थानापन्न रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के संशोधित वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीख के पूर्वाह्न से नियुक्त किए जाते हैं :—

क्रम सं०	नाम	जिस तारीख से नियुक्त किया गया	टिप्पणी
1	2	3	4
1.	श्री सुजीत राय	1-7-81	वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जाएगा।
2.	श्री रंजन सुहास चौधरी	15-5-81	इस पद के लिए निर्धारित वेतनमान के न्यूनतम में वेतन निश्चित किया जाएगा।
3.	श्री दलीप सिंह रावत	20-4-81	वेतन नियमानुसार निर्धारित किया जाएगा
4.	श्री वैद्यनाथ घोसाल	6-5-81	" "
5.	श्री बिभूति भूषण माजी	16-4-81	" "
6.	श्री हर्ष पति	28-5-81	" "

के० एल० खोसला

ले० जनरल

भारत के महा सचिव

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 अगस्त 1981

सं. फा० 12-2(ए)/81-स्थापना—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को पुरालेखा अधिकारी (सामान्य) को नियमित अस्थायी आधार पर उनके नाम के आगे दी गई तारीख में तथा अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद नाम	नियुक्ति की तारीख
1	श्री बी० सी० मेन	सहायक पुरालेखाधिकारी ग्रेड-1 (सामान्य) तथा स्थानापन्न पुरालेखाधिकारी तदर्थ आधार पर	31-7-81
2.	कु० गुलिस्तान कपाड़िया	—तदर्थ—	—तदर्थ—
3.	श्री पी० श्रानन्दराज (अनुसूचित जाति) आरक्षित रिक्ति पर	सहायक पुरालेखा अधिकारी ग्रेड-1 (सामान्य)	12-8-81 (पूर्वाह्न)

भीम सैन कालड़ा
प्रशासन अधिकारी
कृते अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1981

सं. 5(36)/60-एस-एक---निवर्तन की आय प्राप्त करने पर श्रीमती सी. वी. अन्धारे, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, नागपुर 30 जून, 1981 की पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गई।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय (फिल्म प्रभाग)

बम्बई, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं. अ-12025(11)2/80 सिबन्दी (1)---संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा श्री एच बसंत राव को फिल्म प्रभाग में दिनांक 25 जुलाई, 1980 (सुबह) से, अग्रिम आदेश तक कैमरामैन के पद पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. ए-12026/4/81-ई.1---मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग ने दिनांक 27 मई 1981 के इसी सख्या की अधिसूचना के सिलसिले में स्थायी अधीक्षक फिल्म प्रभाग बम्बई के श्री के. एस. नायर को, श्री एस. एन. सिंह सहायक प्रशासकीय अधिकारी के स्थान पर उनकी प्रशासकीय अधिकारी के पद पर पदोन्नति होने पर स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर दिनांक 11 जुलाई 1981 के पूर्वाह्न से आगे आदेश जारी होने तक नियुक्त किया है।

एस. एन. सिंह
प्रशासकीय अधिकारी
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. ए. 19019/63/77-एन.एम.ई.पी./प्रशा.-1---भारत सरकार गृह के साथ यह घोषणा करती है कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्रीय कार्यालय, बंगलौर के सहायक निदेशक (कोट विज्ञान) श्री सी. पी. विजयन की 29 मई, 1981 को मृत्यु हो गई है।

सं. ए. 12025/8/80-एन.आई.सी.डी./प्रशा.-1---राष्ट्रपति ने डा. के. वी. चन्द्रशेखर को 21 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक (माइक्रोलोजी) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

सं. ए. 12026/21/80-(एच. क्यू.) प्रशासन-1---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में कार्यरत श्री पी. एन. जैन, सीनियर आर्किटेक्चरल असिस्टेंट को इस निदेशालय में 24 जुलाई, 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक असिस्टेंट आर्किटेक्ट के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया है।

सं. ए. 31013/7/80-(सी. एफ. एल.) प्रशासन-1---राष्ट्रपति ने श्रीमती गायत्री विस्वास को 9 दिसम्बर, 1976 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगशाला, कलकत्ता में वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर स्थायी तौर पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 अगस्त 1981

सं. ए. 12025/18/80/एन.आई.सी.डी./प्रशा.-1---राष्ट्रपति ने श्री कौशल कुमार को 21 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संज्ञार रोग संस्थान, दिल्ली में उप सहायक निदेशक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी. सी. जैन
उप निदेशक प्रशासन (ओ. एण्ड एम.)

- सिंचाई मंत्रालय

महा प्रबंधक का कार्यालय

फरक्का बांध परियोजना

फरक्का बैरज, दिनांक 22 अगस्त 1981

सं. ई/पी एफ-11/239/926 (6)--36 बटालियन,
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, बरपेटा (आसाम), के निरीक्षकको प्रतिनिधित्व पर, भारत सरकार, सिंचाई मंत्रालय,
फरक्का बांध परियोजना में एक साल की अवधि के लिए,
तदर्थ आधार पर दिनांक 22-6-81 के पूर्वाह्न से सुरक्षा
अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है।

आर. वी. रन्धी देवन

महा प्रबंधक

फरक्का बांध परियोजना

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 4 अगस्त, 1981

सं० पी० ए०/81(6)/81-आर-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित
अधिकारियों की वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर उनके नाम के सामने कालम नं० 4 में अंकित तिथि से अभिन्न
आदेशों तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	स्थानापन्न	नियुक्ति	दिनांक
1	2	3	4	
1.	श्री डी० पी० सहा	एस० ए० (सी)	1-2-81	(पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० एम० काबली	—वही—	—वही—	
3.	श्री एस० टी० साठे	फोरमैन	—वही—	
4.	श्री पी० सी० रामचंद्रन	एम० ए० (सी)	9-2-81	(पूर्वाह्न)
5.	श्री एम० ए० यू० खान	फोरमैन	1-2-81	(पूर्वाह्न)
6.	श्री एस० पी० कुनवार	—वही—	—वही—	
7.	श्री ए० मिश्रा	एस० ए० (सी)	—वही—	
8.	श्री एस० पी० नायक	—वही—	—वही—	
9.	श्री सी० डी० कोलाको	—वही—	—वही—	
10.	श्री व्ही० एम० यशोपवीत	—वही—	—वही—	
11.	श्री आर० टी० कुलकर्णी	—वही—	—वही—	
12.	श्री जी० एस० देशपांडे	ड्रा मैन (सी)	—वही—	
13.	श्री ए० एस० गोखले	एस० ए० (सी)	—वही—	
14.	श्री व्ही० के० सहानी	फोरमैन	—वही—	
15.	श्री व्ही० व्ही० कुलकर्णी	एस० ए० (सी)	—वही—	
16.	श्री के० व्ही० कामथ	—वही—	—वही—	
17.	श्री एम० उन्नीकृष्णन	—वही—	—वही—	
18.	श्री एम० बी० सक्सेना	एस० ए० (सी०)	1-2-81	(पूर्वाह्न)
19.	श्री जी० के० श्रीवास्तव	—वही—	—वही—	
20.	श्रीमती व्ही० एस० बंगेरा	—वही—	—वही—	
21.	श्री पी० एन० जुन्नरकर	—वही—	—वही—	
22.	श्री जी० बी० कैस्टेलीनो	फोरमैन	—वही—	
23.	श्री एम० आर० गोपाल	—वही—	—वही—	
24.	श्री के० सी० कुंजू	एस० ए० (सी)	—वही—	
25.	श्री एस० व्ही० जामगांवकर	ड्रा मैन (सी)	—वही—	
26.	श्री पी० एस० नाडकर्णी	एस० ए० (सी)	—वही—	
27.	श्री ए० डी० कुलकर्णी	—वही—	—वही—	
28.	श्री देबा प्रसाद हजरा	—वही—	12-2-81	(पूर्वाह्न)
29.	श्री सुरेन्द्र नाथ	—वही—	1-2-81	(पूर्वाह्न)
30.	श्री सी० चिन्नैयन	—वही—	—वही—	

ए० शान्ताकुमारा मेमोन
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 20 जुलाई 1981

सं. पी पी ई डी/4(702)/77-प्रशासन 9531—इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री बी. आर. कलकणी ने अपना तवाइला नेशनल टैक्सटाइल कारपोरेशन (एम्. एन.) लिमिटेड, बम्बई (सरकारी क्षेत्र का उपक्रम) में होने पर 6 जुलाई, 1981 के अपराह्न में सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी. वी. थट्टे
प्रशासनिक अधिकारी

नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना

बलन्देशहर, दिनांक 17 अगस्त 1981

सं. क्र. न. प. वि. प./प्रशा/1 (16)/81-एस/9869—नियंत्रक सामान्य तथा रक्षा-लेखा कार्यालय के श्री महेन्द्र कुमार सेक्सन अधिकारी (लेखा), जो नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, की प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने के पश्चात् उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 30 जुलाई 1981 के अपराह्न में छोड़ दिया तथा अपने पूर्व विभाग को, अपने पूर्व पद पर वापस हो गये।

आर. के. बाली
प्रशासन अधिकारी-1।।

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, 20 अगस्त 1981

सं. क्रम नि./23/3/79-स्थायता/17040—क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने श्री आर्. पी. सेनन सहायक भंडार अधिकारी की छुट्टी मंजूर होने तक पर श्री. कनजीराकाट्ट इसाक जार्ज, स्थायी भंडारी को ए. ए. ई. 1001 (पत्रांक) से 20 जून 1981 (अपराह्न) तक के लिये इसी निदेशालय में रुपये 650-30-740-75-810 - दर-35-880 - 40-1000-द गे-

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 22 अगस्त 1981

सं. ए० 38019/1/स्था०-1—भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित अधिकारी, उनके नामों के सामने दी गई तारीख को निवर्तन की आयु पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

40-1200 के बतन मान में-तदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

के पी. जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 17 अगस्त 1981

सं. प ख प्र-1/06/79-प्रशासन:—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक और स्थानापन्न हिन्दी अनुवादक श्री सोम नाथ सचदेव को उसी प्रभाग में 1-8-1981 के पूर्वार्द्ध में अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं. प ख प्र-2/2979/80-प्रशासन—श्री एम्. रमेश द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस. बी. के पद से दिया गया त्यागपत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 23 फरवरी, 1981 के अपराह्न में स्वीकार कर लिया गया है।

सं. प ख प्र-2/3156/81-प्रशासन:—श्री विष्णु दत्त गोस्वामी द्वारा ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस. बी. के अस्थायी पद से दिया गया त्यागपत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 21 जुलाई, 1981 के अपराह्न में स्वीकार कर लिया गया है।

हैदराबाद-500016, दिनांक 19 अगस्त 1981

सं. प ख प्र-2/2982/80-प्रशासन:—श्री रामा मूर्ति शोधर द्वारा परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक अधिकारी/एस. बी. के पद से दिया गया त्यागपत्र परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक द्वारा 7-1-1981 के पूर्वार्द्ध में स्वीकार कर लिया गया है।

एम्. एस. राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1981

सं. ए 31013/1/80-वी. ई.—राष्ट्रपति ने श्री बी. एस. गिडवानी को 4-9-78 से मूल रूप से, नागर विमानन का महानिदेशक नियुक्त किया है।

विष्णु भगवान
निदेशक

क्रम सं०	नाम	पद	दिनांक जिसको अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त की
1.	श्री पी० राघव राव	सहायक मौसम विज्ञानी	30-6-1981
2.	श्री जे० जे० सिंह	सहायक मौसम विज्ञानी	30-6-1981
3.	श्री डी० एम० बी० राव	सहायक मौसम विज्ञानी	31-7-1981
4.	श्री के० एस० बी० राजगोपालन	सहायक मौसम विज्ञानी	31-7-1981

सं. ए. 38010/1/स्था—भारत मौसम विज्ञान विभाग के श्री एस. एन. त्रिपाठी, स्थानापन्न उप महानिदेशक मौसम विज्ञान, 30-6-1981 को, निवर्तन की आयु पहनने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के. मुखर्जी
मौसम विज्ञानी (स्थापना)
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1981

सं. ए. 38013/1/81-ईए—विमान क्षेत्र कार्यालय, जहू एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय के श्री एल. सी. चंदवानी, सहायक विमान क्षेत्र अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं. ए. 38013/1/81-ईए—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास के कार्यालय के श्री सी. सी. लुईस, विमान क्षेत्र अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं. ए. 38013/81-ईए—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र मद्रास के कार्यालय के श्री एन. एन. नायर, वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं. ए. 38013/1/81-ईए—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास के कार्यालय के श्री एस. एस. इब्राहिम, विमान क्षेत्र अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं. ए. 38013/1/81-ईए—क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास के कार्यालय के श्री जे. प्रिन्स, उपनिदेशक ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

स्थावर गुप्ता
उप निदेशक प्रशासन

पटना, दिनांक 22 अगस्त 1981

सं० मि०स० 11(7)2-स्था०/79/7685—इस समाहर्तालय के निम्नलिखित स्थायी/स्थानापन्न अधीक्षक, समूह 'ख' अपनी सेवा की आयु पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाए गये तारीख अनुसार सेवा निवृत्त हुए।

क्रमांक	पदाधिकारी का नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
1.	श्री एस० मल्लिक	अधीक्षक, समूह 'ख'	31-3-81 (अपराह्न)
2.	श्री एस० के० प्रसाद	—वही—	30-4-81 (अपराह्न)

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

नागपुर, दिनांक 15 जून 1981

सं. 8/81—इस समाहर्ता क्षेत्र के अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी "न" श्री जी. एन. हिंगवें, दिनांक 31 मई, 1981 को अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के. एस. विनोदसिंहजी
समाहर्ता

बडौदा, दिनांक 13 मई 1981

सं. 6/81—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बडौदा के उप समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'ख' के सहायक अधीक्षक श्री एम. एस. गुप्ते वधावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-81 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

के. एस. दिलीपसिंहजी
समाहर्ता

दिनांक 18 अगस्त 1981

सं. 7/81 सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, सूरत मंडल-11 के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क' सहायक समाहर्ता श्री एम. एम. भीर वधावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-81 ए. एन. के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं. 8/81—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बडौदा मंडल-1 के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग "ख" अधीक्षक श्री एस. एन. बारोट वधावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-81 ए. एन. अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं. 9/81 समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क बडौदा के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क' मुख्य लेखा अधिकारी श्री एन. एम. नानावटी वधावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-1981 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

सं. 10/81—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बडौदा के अधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क'/'ख' अधीक्षक/सहायक समाहर्ता श्री एच. डी. टेकचन्दानी वधावस्था में पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-7-81 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

जे. एम. वर्मा
समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बडौदा

क्रमांक	पदाधिकारी का नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
3.	श्री आर० ए० तिवारी	—वही—	31-5-81 (अपराह्न)
4.	श्री एस० एम० ए० हक	—वही—	30-6-81 (अपराह्न)

कृ० कु० श्रीवास्तव
सहायक समाहर्ता (मुख्यालय)
कृते समाहर्ता
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

निरीक्षण व लेखा परीक्षा निदेशालय,

सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

नई दिल्ली 1, दिनांक 18 अगस्त 1981

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मेरठ के ग्रुप "बी" के अधीक्षक श्री आर. एन. लाल ने, निदेशालय के आदेश सी. सं. 1041/2/81 दिनांक 30-6-1981 द्वारा स्थानान्तरित होने पर, निरीक्षण एवं लेखा निदेशालय, सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के मेरठ स्थित उत्तरी प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 25-7-1981 (अपराह्न) को, निरीक्षण-अधिकारी (सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "बी" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

के. जे. रामन्
निरीक्षण निदेशक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 1 अगस्त 1981

"वाणिज्य नौवहन भवन"

सं. 6/5/सी.आर.ए./77:—नौवहन महानिदेशक, बम्बई श्री एच. शिथुंग, सहायक निदेशक, नाविक नियोजन-कार्यालय, कलकत्ता को दिनांक 26-6-81 के पूर्वाह्न में अगले आवेश तक उप नाविकपाल, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

के. एस. सिधू
नौवहन उपमहानिदेशक
कृते नौवहन महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 22 अगस्त 1981

सं. ए-19/2/749/79-स्थापना-पांच—इस आयोग की अधिसूचना संख्या ए-32014/1/77-प्रशा. पांच (खण्ड-दो) दिनांक 31-7-78 का अधिकरण करते हुए विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अनुमोदन करते हैं कि श्री कैलाश चन्द्र, पर्यवेक्षक को रु. 650-30-740-35-810-द. गे. 35-880-40-2—236 GI/81

1000-द. गे. 40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 30-6-78 से स्थानापन्न क्षमता में नियमित आधार पर पदोन्नत माना जाए।

2. क्योंकि श्री कैलाश चन्द्र वित्त मंत्रालय के का. शा. सं. एफ-2(10)-ई-111/70 दिनांक 17-10-70 के प्रावधानों के अनुसार चूखा जल विद्युत परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर थे, इसलिए "आसन्न कनिष्ठ नियमों" की अनुरूपता पर उनकी पदोन्नति की मानी गई तारीख 30-6-78 निश्चित की गई है।

ए. भट्टाचार्य
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

उत्तर रेलवे

प्रधान कार्यालय

नयी दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1981

सं. 25--उत्तर रेलवे के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के स्थानापन्न दर्जा-1। अधिकारी श्री वाई. टी. रिहानी को 2-11-73 से इस रेलवे के उसी विभाग में दर्जा-1। में स्थायी कर दिया गया है।

दिलराज सिंह
महाप्रबन्धक

आय-कर अपील अधिकरण,

बम्बई-400020, दिनांक 20 अगस्त 1981

आदेश

सं. एफ 48-एडी(एटी)/81(1)—श्री नारांजन दास, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में दिनांक 17-4-81 से 6-7-81 तक या तबतक जबतक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप में कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गयी थी, दोलये इस कार्यालय के दिनांक 9-4-1981 की अधिसूचना सं. एफ 48-एडी(एटी)/80 को दिनांक 16 जून, 1981 (अपराह्न) से उनके मूल पद सहायक अधीक्षक आयकर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

सं. एफ 48-एडी(एटी)/81—श्री नारजन दास, स्थानापन्न सहायक अधीक्षक, आय-कर अपील अधिकरण दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली को तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 13 जुलाई, 1981 से 31-12-1981 तक या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीघ्रतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

उपयुक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री नारजन दास को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करती तथा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं उसी श्रेणी में वरियता के अभिप्राय से न तो परिगणित की जायेंगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोन्नत किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेंगी।

टी. डी. सुगला
अध्यक्ष

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री बाबबूल रहिम खान।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) दाराधन दे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देश सं 938/एक्सी आर-111/81-82—यन, मुम्बई,
आई. बी. एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है

और जिसकी सं 23 और 24 है तथा जो गोविन्द बनर्जी लेन,
कलकत्ता स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और,
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 20-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

23 और 24, गोविन्द बानार्जी लेन, कलकत्ता, 3 के.
0 ए-0 वर्गफुट जमीन पर मकान, बलिल सं. 5930।

आई. बी. एस. जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 111, 54,

रफीअहमद किबवाह रोड, कलकत्ता-16

तारीख 18-8-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पलनिस्वामी और अनंतरामकृष्ण

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी. सामियप्पन और नटराजन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं 11269—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सर्वे सं. 602/2, 624/2 है, जो कृष्णा जिन्निंग फेक्टरी नारनापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पल्लडम (डाकूमेंट सं. 1941/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके मान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकृते) और अन्तरिती (अन्तरितियों) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से घट नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- मैं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण - सर्वे सं. 602/2, 624/2 कृष्णा जिन्निंग फेक्टरी नारनापुरम (डाकूमेंट सं. 1941/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज 11, मद्रास

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1981

निर्देश सं. 15864—यतः, मुझे राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिवेणी उर्विन बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 28 है, जो 6 मेन्यन रोड, मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाकूमेन्ट सं. 2198/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसंबर, 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

(1) श्री रामभूरती अय्यर और अदरम

(अन्तरक)

(2) श्री बालकृष्ण और अदरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-28, IV मेन्यन रोड, मद्रास 28 (डाकूमेन्ट सं. 2198/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 11, मद्रास

तारीख : 11-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री बज्रम कुरम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जनाब अहमद और अवरस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अगस्त 1981

निर्देश सं. 15846--यत मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 13 है, जो स्टलेनठ घेट स्ट्रीट, मद्रास-6 में
स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नारत मद्रास
(डाकूमेंट सं. 5141/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16 दिसंबर 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और अवरस 13, स्टलेनठ घेट स्ट्रीट, मद्रास-6।
(डाकूमेंट सं. 5141/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज ।।, मद्रास

तारीख : 14-8-1981
माहर :

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री राममूरती अय्यर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राम के. रामन और राम आर. वेकटाचलम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं. 15865—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 28, है, जो VI मेयन रोड मद्रास 28 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मीलापूर (आकृमेट सं. 2197/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिबन्ध अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण - 28, VI मेयन रोड, मद्रास-28 (आकृमेट सं. 2197/80)।

राधा बालकृष्णं
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 11-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 अगस्त 1981

निर्देश सं 11245—यत, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सर्वे स 307 है, जो इर्रोड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इर्रोड (शकूमेट सं 5013/
80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्री मारप्पा गोडर सानमूधा सुन्दरम।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी. सतिश्वरी
60 आर, मूरमपट्टी रोड, इर्रोड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि - सर्वे स 307, इर्रोड (शकूमेट सं 5013/80)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, 11, मद्रास

तारीख 11-8-1981
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री मोहम्मद हुसैन और अवर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राधाकृष्ण

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोपः--

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. 9252--यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 66, 66ए है, जो मारियम्न कोरियल स्ट्रीट,
दिनठिवनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिनठिवनम (डाकूमेंट सं. 2488/80) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16
दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया हैः--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः--

3-236GI/81

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण - 66, 66ए, मारियम्न कोरियल स्ट्रीट,
दिनठिवनम (डाकूमेंट सं. 2488/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज ।।. मद्रास

तारीख : 12-8-1981
माहुर :

प्रकृत धार्मिक डी. एन. एन.—

(1) सेंट्रल को. अपरेटिव बैंक

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रास. टामस उठयार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

जो वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा:—

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. 9237—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं. सर्वे सं. 78 ए1/ए2, है आफिस रोड है, जो आलनघुठी, पुठुकीट्ट (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय पुठुकीट्ट (डकूमेट सं. 3898/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषोद्घातकी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोषणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और निर्माण - सर्वे सं. 78 ए1/ए2 आफिस रोड, आलनघुठी, पुठुकीट्ट (डकूमेट सं. 3898/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तान
मोह.

प्रमाण आई. टी. एन. ए. —————

(1) श्री चिन्मल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सरस्वती और अदरस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. 11237—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी स. सर्वे 317/2ए है, जो पेरिय सेमूर में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इरोड (डाकमैट सं.
4834/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/बा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

भूमि - सर्वे सं. 317/2ए, पेरिय सेमूर (डाकमैट सं.
4834/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज 11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

तारीख 12-8-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री चिन्तामाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सरस्वती और अदरस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निवेदक सं. 11237—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे 317/2ए है जो पेरिय सेमूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हारोड (डाकमेट सं.
4833/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि - सर्वे सं. 317/2ए, पेरिय सेमूर हारोड (डाकमेट
सं. 4833/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज 11, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूचन
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनिर्दिष्ट :—

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्रकट आई. टी. एन. एस.—

(1) पेलस एडमिनिस्ट्रेशन बोर्ड।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री जे. रामन, जे. रवी जे. सुरेश बाबु।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. 15842—यतः मुझे, राधा बालकृष्णं,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिसकी सं. सर्वे सं. 89, 90, 157, 160, 161 है,
जो कन्नूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नारत मद्रास (डाकूमेंट सं. 5163/80) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10
दिसंबर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशिय में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सर्वे सं. 89, 90, 157, 160 और
161, कन्नूर (डाकूमेंट सं. 5163/80)।

राधा बालकृष्णं
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज 11, मद्रास

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री पी. के. पट्टाबिरामन

(अन्तर्दृष्टि)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती राठौडा जयलक्ष्मी

(अन्तर्दृष्टि)

भाइल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं. 16108—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 12, कमठारनगर है, जो मद्रास-34 में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर (डाकूमेंट सं.
2073/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आद की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 13, कमठारनगर मद्रास 34 (डाकू-
मेंट सं. 2073/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 11, मद्रास

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख - 12-8-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री नरसुखामी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

(2) श्री मानिसम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अन्तरिती)

अर्जन रज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1981

निदेश सं. 9200—यतः, मुझे, राधा बालकृष्ण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे 66/2 है, जो पुत्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-कर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिप्ली (आक.मेट सं. 7032/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 दिसंबर 80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णित ह—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्धुत्व

भूमि और निर्माण - सर्वे 66/2, पुत्तूर (आक.मेट सं. 7032/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, मद्रास

तारीख : 10-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री परकोट मोहम्मद उन्नी हाजी और अवरस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वी. जे. जारज।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. 15996--यतः, मुझे राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. देवाला है, जो घुठलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, घुठलूर (डाकूमेंट सं. 1454/80) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16 दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
है।

अनुसूची

भूमि - देवाला घुठलूर (डाकूमेंट सं. 1454/80)।

राधा बालकृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेश सं. अमलोह/104/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा है, तथा जो गांव ककड़
माजरा सब तह. अमलोह जिला पटियाला में स्थित है (और
इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकत्रु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
जय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाबं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-236GI/81

(1) श्री हजारा सिंह सपूत श्री किशन सिंह निवासी गांव
ककड़ माजरा जकसाना, गोबिन्दगढ़, जिला
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मै. गोपाला प्रा. लिमि., 38 राजिन्द्रा पार्क, नई
दिल्ली, माध्यम डाइरेक्टर रमेश भाटिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 2 बीघा गांव ककड़ माजरा तहसील अमलोह जिला
पटियाला में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अमलोह के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1883 दिसम्बर, 1980
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 17-8-1981

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. अमलोह/108/80-81—अतः मुझे, सूखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा है, तथा जो गांव ककड़ साजरा अब तह. अमलोह जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) श्री हजारा सिंह सुपूत्र श्री किशन सिंह निवासी गांव ककड़ साजरा जकसाना, गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मै. गोपाला प्रा. लिमि., 38 राजिन्दा पार्क, नई दिल्ली, माध्यम डाइरेक्टर रमेश भाटिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 2 बीघा जो गांव ककड़ साजरा, सब तहसील अमलोह, जिला पटियाला में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1942 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सूखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षण, सहायक आयकर आयुक्त

अर्जुन रंज, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981

सोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेदन सं. खरड/38/80-81--अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43) जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मकान प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी म. मकान नं. 518 है, तथा जो फेज-3-बी 1, मोहाली, जिला रूप नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री नाथ सिंह सुपुत्र श्री अर्जन सिंह, निवासी गांव चूहार माजरा, तहसील राजपुरा।

(अन्तरक)

(2) श्री वर्धन सिंह सुपुत्र श्री हरदम सिंह, निवासी वालियां बली, तहसील फूल, जिला भटिंडा, अब मकान नं. 518, फेज-3-बी-1, मोहाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 518, फेज-3-बी-1, मोहाली, जिला रूप नगर, (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के कार्यालय के विलेख सं. नं. 4654 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेदन सं. लुधि./341/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट क्षेत्रफल 1829 वर्ग गज है, तथा जो हौवोवाल कलां, तह. व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) में त्रुटि ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में त्रुटि करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) एस/श्री करनल सिंह जसपाल सिंह गुरदयाल सिंह सूपुत्र श्री सरदारा सिंह, निवासी गांव तलवंडी रैका एस, तहसील रायकोट, जिला लुधियाना। (अन्तरक)

(2) एस/श्री रमेश चन्द सूपुत्र और सुरिन्द्र कुमार और विनोद कुमार और सुभाष चन्द्र एस. सूपुत्र श्री हरबन्स लाल, निवासी माधोपुरी, कूषा नं. 2, लुधियाना। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप—

(क) इन सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 1829 वर्ग गज, जो कि हौवोवाल कलां, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं. नं. 4865 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेष्ट सं. चण्डी./301/80-81--अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. मकान नं. 229, सेक्टर 21-ए है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री हरी राम सभरवाल सुपुत्र श्री जगन्नाथ सभरवाल, निवासी सी-69 किर्ती नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री गुरवास सिंह सुपुत्र श्री सदा सिंह, निवासी 229 सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 229, सेक्टर 21-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1727 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. चण्डी./302/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. निवासी मकान नं. 1637, सैक्टर 7-सी है, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) (1) श्रीमती ओम बती वर्मा पत्नी श्री धर्म देव वर्मा, (2) श्री राकेश कुमार वर्मा, (3) श्री योगेश वर्मा सुपुत्र धर्म देव वर्मा, (4) नरेश कुमार वर्मा, सभी निवासी मकान नं. 1637, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती हरभजन कौर बती पत्नी श्री हरभजन सिंह बती, (2) श्रीमती मनजीत कौर बती पत्नी श्री हिन्द राज सिंह बती, (3) श्रीमती ताज कौर पत्नी श्री हरदित सिंह बती, (4) श्री हरदित सिंह बती सुपुत्र श्री हरनाम सिंह बती, निवासी मकान नं. 210 सैक्टर 19-ए, चण्डीगढ़। अब 1637 सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

* रिहायशी मकान नं. 1637 जो सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विनंश सं. नं. 1737, दिसम्बर, 1980 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

- (1) श्री मोहिन्दर सिंह सुपुत्र श्री सेवा सिंह, निवासी 2420, सेक्टर 19-सी, चण्डीगढ़।
(अंतरक)
- (2) श्री बलजीत सिंह सुपुत्र ज्ञान सिंह, निवासी 1017, सेक्टर 21-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

निर्देश सं. खरड़/36/80-81--अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, ज़िगका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1191 है, तथा जो फेज-5 मोहाली, जिला रूप नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभित्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1911 फेज-5 मोहाली, जिला रूप नगर में स्थित है। (जायबाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 4588, दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. खरड़/34/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. सी-6 है, तथा जो फेज-1, मोहाली जिले रूप नगर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर/बेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्रिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री अर्जुन सिंह सुपुत्र श्री तारा सिंह, निवासी कोठी नं. 222, सेक्टर 16-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री कमलेश चन्द्र गुप्ता सुपुत्र श्री फतेह चन्द्र, निवासी 100 सेक्टर 28-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. सी-6 फेज-6, मोहाली जिला रूप नगर में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 4514 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, लूधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निवेश सं. चण्डी./288/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1142 है, तथा जो सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—
5—236GI/80

(1) लेफ्ट. कर्नल (मिस) आर. सी. जमोज सपूत्री श्री जी. यू. जमोज, माध्यम उसके अटोरनी श्री अमरजीत सिंह, निवासी 669 सैक्टर 33-बी, चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

(2) श्री बलवीर सिंह सोहल सपूत्र डा. इन्द्र सिंह सोहल, निवासी 1142 सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1142 सैक्टर 34-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1691 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर:

प्रकृष धार्ई•टी•एन•एस•-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. चण्डी/297/80-81—अतः मूझे, सुखदेव चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1530 में आधा हिस्सा है, तथा जो सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमा धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्ज-

(1) लैफि. कर्नल कृष्ण मोहन नन्दा माध्यम उसके जनरल पावर आफ अटॉरनी श्री ए. एस. पराशर सुपुत्र पी. सत्यपाल, निवासी 72, सैक्टर 11-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्री एम. एल. गोयल सुपुत्र श्री एम. आर. गोयल, निवासी मकान नं. 248, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1530 में आधा हिस्सा, सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1720 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, लुधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. चण्डी./303/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1530 में आधा हिस्सा है, तथा जो सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबं अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को सूचित:—

(1) लैफि. कर्नल कृष्ण मोहन नन्दा माध्यम उसके जनरल पावर आफ अटॉरनी श्री ए. एस. पराशर सूपन पी. सत्यपाल, निवासी 724, सेक्टर 11-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती गोयल पत्नी श्री एम. एल. गोयल, निवासी 248, सेक्टर 35-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरितियाँ)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रसिद्धताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा प्लॉट नं. 1530 में सेक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1738 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहर:

प्रकृष आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. चण्डी./293/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 1241 है, तथा जो सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तारण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एक्स सब. कैलाश चन्द्र शर्मा सपूत्र श्री दीना नाथ शर्मा, मार्फत देव समाज भवन, सैक्टर 36-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री विनेश कुमार गुप्ता सपूत्र श्री बारुमल गुप्ता, निवासी मकान नं. 3155, सैक्टर 28-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोक्तारण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 1241, सैक्टर 33-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं. 1706 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 17-8-1981
मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. चण्डी./296/80-81—अत मुझे, सूखदेव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 2/3 पोरशन आफ मकान नं. 705 है तथा जो
सैक्टर 8 बी. चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि, इससे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्द्रु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जमपाल कौर घुमन पत्नी श्री तरलोक सिंह
घुमन श्री गुरचरण सिंह मार्फत श्री बी एस घुमन
विक्रम हॉटेल नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री बहाल सिंह मलिक
2. मास्टर अजय मलिक
3. सजय मलिक सपुत्र श्री बहाल सिंह मलिक
4. अशोक मलिक
5. श्रीमती सरोज मलिक पत्नी श्री बहाल सिंह मलिक
निवासी मकान नं. 72 सैक्टर 5, चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2/3 पोरशन आफ मकान नं. 705 सैक्टर 8-बी, चण्डीगढ़।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के
विलेस सं. 1702 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)

सूखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना।

दिनांक: 27-7-81
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. चण्डी/296/80-81--अतः मुझे, सुखदेव चंद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 5 ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैं गैंडा मल चिरंजीलाल आफ कालका माध्यम पार्टनर
 1. श्री भारत भूषण सपुत्र श्री देस राज
 2. श्रीमती माधु सिंगल पत्नी श्री जोगिन्द्र कुमार
 3. श्री संजय सिंगल सपुत्र श्री बरिज भूषण सिंगल
 4. श्रीमती कंचन सिंगल पत्नी श्री राजीव सिंगल

5. श्री राकेश अग्रवाल सपुत्र श्री कुलदीप प्रकाश
6. श्री नवीन कुमार सपुत्र श्री बैनी प्रसाद सभी निवासी 3 इन्डस्ट्रियल एरिया चण्डीगढ़। माध्यम उनकी जनरल अटॉरनी श्री किशोरी लाल सपुत्र श्री परस राम आफ कालका।

(अन्तरक)

2. 1. श्री बचन सिंह सपुत्र श्री नाराटा सिंह
2. श्री अवतार सिंह सपुत्र मेहर सिंह (3) श्री जोध सिंह सपुत्र ईश्वर सिंह
4. श्री चरन सिंह सपुत्र श्री हाकम सिंह
5. श्री दर्शन सिंह सपुत्र श्री मल सिंह
6. श्री बलदेव सिंह सपुत्र श्री जय सिंह
7. श्री टोहाल सिंह सपुत्र श्री फतेह सिंह सारो माफत 5, ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

3. 1. मैं रूप गूडज ट्रांसपोर्ट
2. श्री आर. के. गुप्ता
3. मैं एसोसियेटेड रोड कैरियर (प्रा.) लिमिटेड निवासी प्लॉट नं. 5 ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 5 ट्रांसपोर्ट एरिया चण्डीगढ़ में स्थित है। (जाय-दाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 17/18 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, लुधियाना।

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लूधियाना

लूधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. चण्डी /289/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 3880 है तथा जो सैक्टर-32, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध आगन्तुकी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिस. 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रत्येक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार सिंह सुपुत्र श्री रामजी दास सठौ निवासी गांव ब डाकखाना धनोरा जिला अबाला। (अन्तरक)

2. 1. श्री लच्छमन दास सुपुत्र श्री प्रताप चन्द

2. श्री सत पाल

3. श्री सुभा दाम

4. श्री भरपुर चन्द

} सुपुत्र श्री लच्छमन दास

आल निवासी मकान नं. 3157 सैक्टर 21-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 3880 जो सैक्टर 32, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जयदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1693 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लूधियाना।

तारीख : 17-8-1981

मोहर :

प्रस्प. आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेशक सं. डी. बी. एस./69/80-81—अतः मुझे, सुखदेवचन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 12 मरले साथ कोठी है तथा जो गांव लोहगढ़ डेरा बसी जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिस. 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिल में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अधिसूचित:—

1. श्री शिव राज सिंह सपुत्र श्री जसवन्त सिंह निवासी लोहगढ़ अब मकान नं. 1572 सैक्टर 33-डी. चण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्री वर्शन सिंह सपुत्र श्री गुरबख्श सिंह मकान नं. 838 सैक्टर 16-डी. चण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 कनाल 12 मरले साथ कोठी जो गांव लोहगढ़ सब तहसील डेरा बसी जिला पटियाला में स्थित है। (जाय-बाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के कार्यालय के विलेख सं. नं. 1281 दिसम्बर 1980 में वर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना।

तारीख 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. डी.वी.एस./63/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 2 कनाल 12 मरले साथ में कोठी है
तथा जो गांव लोहगढ़ सब तहसील डेरा बसी जिला पटिया में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बसी में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दि.
1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—236GI/81

1. श्री जगदेव सिंह सपुत्र श्री सुधा सिंह निवासी गांव लोह-
गढ़ सब तहसील डेरा बसी अब मकान नं. 1564 सैक्टर
33 डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. 2. श्री दर्शन सिंह श्री गुरबख्श सिंह निवासी मकान नं.
838 सैक्टर, 16-डी. चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 2 कनाल 12 मरले साथ कोठी जो कि गांव लोहगढ़ सब
तहसील डेरा बसी जिला पटियाला में स्थित है।

(जायादाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा बसी के कार्यालय के
विलेख सं. नं. 1282 विसम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना।

तारीख : 17 अगस्त 1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. चण्डी./292/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, सिका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 3254 सैक्टर 35-डी. है तथा जो
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 12/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल नैम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

1. श्री जसवन्त सिंह छिल्ला मार्फत मकान नं. 3206 सैक्टर
31 डी. चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला डोगरा पत्नी श्री एम. एल डोगरा निवासी
मकान नं. 1641 सैक्टर, 22-बी. चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 3254 सैक्टर 35-डी. चण्डीगढ़ में स्थित है।
(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय के विलेख सं.
नं. 1704 विसम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना।

तारीख 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. चण्डी./299/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 3319 है तथा जो सैक्टर 32-डी
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़। में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 12/80

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रेम गुरनानी सपुत्र श्री मोहन दास माध्यम उसव
अटोर्नी श्री ज्ञानचन्द खुराना सपुत्र श्री बोध राज निवास
3031 सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. मिस्टरस सुवर्शन देवी महाजन पत्नी श्री मून्नी लाल महा-
जन, और श्री मून्नी लाल महाजन सपुत्र श्री फकीर चन्द
निवासी 21-24, सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ लाया जायेगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुखी

प्लॉट नं. 3319 सैक्टर 32-डी चण्डीगढ़ में स्थित है।
(आलदाय जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के
विलेख सं. नं. 1722 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज, लुधियाना।

तारीख 17-8-1981
मोहर

प्रकृष आइ. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. खरड़ 32/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चंद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 924 है तथा जो फेज-4, मोहाली, जिला रूपनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विमम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का एचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एच बी सिंह सुपुत्र श्री अछरा सिंह, जी-14, नारायण विहार, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. डा. हरजिन्द सिंह सुपुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी 3371 सेक्टर 27-डी चण्डीगढ़।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 924, फेज-4 मोहाली, रूपनगर में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के कार्यालय के विलेख सं. नं. 4475 दिसम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना।

तारीख 17-8-1981
मोहर:

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. शिमला/25/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा 2 बीसवास है तथा जो गांव सौगाटी परगना छाबड़ी गाटी तह. जिला शिमला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गुलाब सिंह पुत्र श्री देवी बास निवासी गांव सोयेन घाटी, परगना, शिवरघाटी तहसील व जिला शिमला।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री निगम सिंह सुपुत्र दीला राम चौहान बिल्डिंग संजाली शिमला, (2) श्री सुरेश कुमार सुपुत्र श्री भगत राम निवासी गलेहा तह. कोटखाई, (3) श्री हरनाम सिंह सुपुत्र श्री नन्द लाल निवासी गूटी तह. मुमारसैन, (4) श्री सतनंद चौहान सुपुत्र श्री ज्ञान सिंह निवासी भुली तह. कोटखाई, (5) श्री अमोलक सिंह सुपुत्र श्री बरगाई राम निवासी कि आरी तह. कोटखाई, (6) श्री महेंद्र चौहान (7) सुरेन्द्र चौहान, (8) बलवीर चौहान सुपुत्र श्री जीत सिंह निवासी गांव गूली तह. कोटखाई जिला शिमला (9) श्री जोगिन्द्र चौहान और, (10) राजिन्द्र चौहान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20- में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 2 बीघा 2 बिसवास जा सौगाटी गांव सौगाटी परगना छाबड़ीघाटी तह. और जिला शिमला में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय के विलेख रु. नं. 1082 दिसंबर 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, लुधियाना।

तारीख 17-8-1981
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. खरड/35/80-81--अतः मुझे सुखदेव चन्द
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. 673 सी है तथा जो फेज-11,
मोहाली, जिला रूपनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, खरड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिस. 1980
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगतियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री ए. पी. बन्दा, सीनियर डिविजनल मैनेजर एल
आई सी आफ इन्डिया सैक्टर 17, खण्डीगढ़।
(अन्तरक)

2. श्रीमती ओगिन्द्र कौर पत्नी श्री गुरदेव सिंह और
श्रीमती जगदेव कौर पत्नी श्री तरलोक सिंह निवासी
2239 सैक्ट. 22 सी खण्डीगढ़।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 673 फेज-11, मोहाली जिला रूपनगर, (आय-
बाव जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के कार्यालय के विलेख
सं. 4576 विसम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लुधियाना।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख 17-8-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अप्पासाहेब. पी. गोडडकी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती विजयमाला. ए. गोडडकी 486 शेरी गल्लि
बेलगम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 340/81-82—यतः मू. डी. वि. एन.
ललित कुमार राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं. आर. एस. नंबर 57/1, नंबर 774 है, जो
अनगोल, बेलगम, में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, बेलगम अंडर डाक्यूमेंट नंबर 3510 दिनांक 16-2-1981
श्री शिवशंकर बालेकृष्णिकी पत्नी श्रीमती बसलिंगमा 1704,
रामदेव गल्लि, बेलगम।
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मू. डी. यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे यत्ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के एयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

अनगोल, बेलगम में गोण्टे कामर्स कालेज के पीछे स्थित
859-94 स्क्वेर मीटर खेता जगह जिसका आर. एस. नंबर है
57/1 और प्लॉट नंबर है 774

डा. वि. एन. ललित कुमार राव
सूक्ष्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज बेंगलोर।

तारीख : 3-7-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 341/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. मीट्रिक नम्बर 447, नया सर्वे नंबर 23/1 है, जो पोन्डा-पणली रोड पोन्डा में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोन्डा, गोवा अंडर डाक्यूमेंट नंबर 55 दिनांक 19-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वांछित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री विस्रामा श्रीरामा सिनाह खंडेपारकर घर नंबर 124, कडपार, गोवा

(अन्तरक)

(2) श्री अंटोनियो मैनियो पाचीयो बल्ले श्री चैलाना सिल्वेना गन्नेम बाजोरेा, पोन्डा, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पोन्डा-पंजिम रोड में, पोन्डा में स्तीथ 7600 स्क्वैर मीटर खुला जगह (1000 स्क्वैर मीटर छोड़कर जहाँ रोड और नल्ला स्थित है) जिसका नाम है "मेटाडो डो प्रिडियो टोक्सीमो" उक्त "गोनेका कॉन्डा बेट नायक" उक्त "मड्डा घोरिल बागेटा" जिसका मीट्रिक नंबर है 447 और नया सर्वे नंबर है 23/(1)।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बेंगलोर

तारीख: 2-7-1981
सोहर:

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रयोग सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 342/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नंबर 179/9 (नया) है, जो कांडोलिम, गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मापुसा जंजर डाक्यूमेंट नंबर 108 दिनांक 23-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
7—236GI/81

- (1) जस्टिनो लारनेस टोम डेस नेवेस अमरल उर्फ टोम डेस नेवेस अमरल करंझलिम
- (2) कुमारी विल्मा अमेलिया अमरल, करंझलिम
- (3) श्री वाल्टर कर्मल बेसिल अमरल पि. ए. होल्डर श्री जस्टिनो अमरल
- (4) श्रीमती लिबरटो अलेल्या वजीनीया विक्टोरिया डिसीजा
- (5) श्री बर्नार्ड फ्रान्सिस डिसीजा, बांद्रा, बम्बई 50
- (6) श्री अंटोनियो विसिटिको पिंटो इ रोजिङ्गस, कंडोलिम
- (7) श्री डोनिम एडवर्ड पिंटो, बांद्रा, बम्बई 50

(अन्तरक)

- (1) श्रीमती सत्यवती जयदेव सांगोडकर कंडोलिम, बाडोज, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धस्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त जहाँ और पर्व का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कांडोलिम, गोवा में स्थित इमारत (जगह सहित) जिसका सर्वे नंबर है 179/9 और जिसका नाम है 'अंपीचिम बाटा' उर्फ 'गंगा मेटोल'।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, बेंगलूर

तारीख: 3-7-1981
मोहर:

प्रकट आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 343/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन.
ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लॉट नंबर 1 है जो कोरियो अल्टो मापुसा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मापुसा, गोवा अंडर
आक्युमेट नंबर 116 दिनांक 9-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

नोट: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
है, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) (1) श्री सेवीलो बिट्टो, (2) श्रीमती अनीसीटा
बिट्टो नेरुला, बट्टीयर वाड, बाडज

(अन्तरक)

(2) श्री शंकर उस्नो भोबे घर नंबर 5/229, अल्टो
मापुसा बाडज, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोरियो अल्टो मापुसा, गोवा में स्थित इमारत (निजली मंजिल
में स्थित) जिसका नाम है "बेल्ले व्यु" और जिसका नंबर है
क्लाह नंबर 1।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बेंगलोर

तारीख: 3-7-1981
मोहर :

प्रकृष धार्ई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 344/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. सि. टि. एस. नंबर 333-8/4 है, जो गोंधली गल्लि, बेलगम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगम अंडर डाक्यूमेंट नंबर 3467 दिनांक 10-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संरिति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमाण प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमाण प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) (1) श्री गंगाधर पि. मुंचडीकर, (2) श्री क्रिष्णा पि. मुंचडीकर, (3) श्री शिवाजी पि. मुंचडीकर धर नंबर 333-8/ए गोंधली गल्लि, बेलगम (अन्तरक)

(2) (1) श्री क्रिष्णमूर्ती एल. सुनारवे, (2) श्री विनय-कुमार एल. सुनारवे, (3) श्री चंद्रकांत एल. सुनारवे धर नंबर 333-8/ए गोंधली गल्लि, बेलगम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बंगलूर

गोंधली गल्लि, बेलगम में स्थित इमारत (जगह सहित) जिस-का सि. टि. एस. नंबर है 333-8/4

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलोर

तारीख: 3-7-1981
मोहर

प्ररूप बाई. टी. एन्. एल्.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 345/81-82—यत् मुझे, डा. वि. एन्. ललितकुमार राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. बंगला वि. नि. 59 जि. एल. आर. नंबर 198 है, जो क्यांप, बेलगम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगम अंडर डाक्यूमेंट नंबर 3622 दिनांक 26-2-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) (1) श्रीमती विमलाबाई वीरगौडा देसाई, (2) श्री लिंगगौडा वीरगौडा देसाई, (3) श्रीमती विसया वोलतगौडा पाटिल, (4) कुमारी निर्मला वारगौडा देसाई घर नं. 225, टिलकवाड, बेलगम (अन्तरक)

(2) (1) श्री किशोर पुरजोत्तम प्रधान, (2) श्रीमती रेखा किशोर प्रधान, (3) श्रीमती उषा डि. देसाई, (4) श्री प्रभात डि. देसाई नागझरी हिल्स बेलगम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेलगम क्यांप में स्थित अगह इमारत कांपौंड जोट हासि सहित जिसका बंगलो नंबर है वि. सि. 59 और नि. एल. आर. नंबर है 198।

डा. वि. एन्. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, बेंगलोर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 3-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 346/81-82—यस: मुझे, डा. वि. एन.
ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. डोर नंबर 599 है, जो वार्ड नंबर 5, के.
बि. बड़ावणा, डावणगरे में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
को कार्यालय, डावणगरे अंडर डाक्यूमेंट नं. 5820 दिनांक
5-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिवंगत बि. एन. नारप्पा के पुत्र श्री बि. एन.
हर्षा, मंडिपेट डावणगरे

(अन्तरक)

(2) श्री दिवंगत बि. एन. नारप्पा के पुत्र श्री बि. एन.
राजशेकर मंडिपेट, डावणगरे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वार्ड नंबर 5, के. बि. बड़ावणा, डावणगरे, में स्थित
इमारत (जगह सहीत) जिसका डोर नंबर है 599/1 से 5।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, बेंगलोर

तारीख: 3-7-1981
माहुर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायश्चित्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, बंगलोर

बंगलौर, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं. 347/81-82—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. डोर नम्बर 206 (पुराना) नया नम्बर 251 है, जो 4 वाड, चामराजपेट, डावणगोरे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, डावणगोरे, अंडर डाक्यूमेंट नम्बर 5820 दिनांक 5-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रम के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाबद्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री दिवंगत बि. एच. नारप्पा के पुत्र श्री बि. एन. राजशेकर, मंडिपेट, डावणगोरे

(अन्तरक)

(2) श्री दिवंगत बि. एच. नारप्पा के पुत्र श्री बि. एन. हर्षा, मंडिपेट, डावणगोरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वाड नम्बर 4, चामराजपेट, डावणगोरे में स्थित इमारत (जगह सहीत) जिसका डोर नम्बर है 206 (पुराना) नया नम्बर 251।

डा. वि. एन. ललित कुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज बंगलौर

तारीख: 3-7-1981
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं. 348/81-82--यतः मुझे, डा. वि. एन.
ललितकुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अन्तर्गत मन्त्रालय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. डोर नम्बर 599/1 से 5 और 1107 (भाग-
शहा) है, जो के. वि. बड़ावणा, डावणगरे में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, डावणगरे अंडर डाक्यूमेंट नंबर
5819 दिनांक 5-2-1981 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी घाब की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ब) ऐसी किसी घाय या किसी बन् या अन्य घास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
मन्त्रालय अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री विवेकानंद बि. एन. नारप्पा के पुत्र श्री बि. एन.
मुनियप्पा जे. सि. नगर हुबली
(अन्तरक)

(2) श्री विवेकानंद बि. एन. नारप्पा के पुत्र श्री बि. एन.
हर्षा, मंडिपेट, डावणगरे
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1. वाड नम्बर 5, के. बि. बड़ावणा, डावणगरे में स्थित
इमारत (जगह सहीत) जिसका डोर नम्बर है 599/1 से 5 जिसका
2. रेगुलेटेड मार्केट, डावणगरे में स्थित गोडौन जिसका
डोर नम्बर है 1107 (भागशह)।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय बेंगलूर

यतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 9-7-1981
मोहुर [

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलोर

बंगलूर, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं. 349/81-81—यतः मुझे, डा. वि. एन. ललित कुमार राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. सि. टि. एस. नम्बर 4595 है, जो वाड नम्बर 1, श्री जयचामराज नगर, हुबली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डावणगरे अंडर डाक-मैट नंबर 5819 दिनांक 5-2-1981 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19 () का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिल्स में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दिवंगत वि. एन. नारप्पा के पुत्र श्री बि. एन. हर्षा, मडिपह, डावणगरे

(अन्तरक)

(2) श्री दिवंगत बि. एन. नारप्पा के पुत्र श्री बि. एन. मुनियप्पा, जे. सि. नगर हुबली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वाड नम्बर 1, श्री जयचामराज नगर हुबली में स्थित इमारत (जगह सहीत) जिसका सि. टि. एस. नम्बर है 4595।

डा. वि. एन. ललित कुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज बेंगलूर

तारीख: 9-7-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बेंगलोर

बेंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1981

निर्देश सं. नोटिस सं. 350/81-82—यत मुझे, डा. वी. एन. ललितकुमार राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे सं. 152/1 से 15 सब डिविजन है, तथा जो वरका गांव स्यालसीटे तालूका, गोवा में स्थित है (और इससे 'उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है'), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारगांव, गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता. 26-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

8-236GI/81

(1) श्री दामोदर कासीनाथ नायीक श्रीमती लीलावती दामोदर नायीक, कोंबा, मारगांव में वे दोनों रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स वेस्ट कोस्ट होटेल्स लिमिटेड, रेप्रेजेंट करते हैं इसके डायरेक्टर श्री वसंतराव एस. डॅपो. डॅपो. हाउस, कांपाल, पनजी, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 358/80-81 ता. 26-12-1980)

प्लॉट आफ ल्यांड विथ यन एरिया आफ 65,000.00 स्क्वियर मीटर्स डिट्याचड फ्रॉम दि प्रायटी नोन याज "कोकोनर गॉव", फस्ट सेकन्ड एण्ड थर्ड ल्यांकासे डि प्रियास तथा जो वरका ग्राम पंचायत स्यालसीटे तालूका और गोवा जीला में स्थित है, जिसका सर्वे सं. 125/1 से 15 है।

डा. वि. एन. ललितकुमार राव
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज बेंगलोर

तारीख: 25-7-1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
20-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 अगस्त 1981

जी. आई. आर. सं. को-103/अर्जन—अतः मुझे,
अमर सिंह बिसेन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्याबर संगति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. 281 है तथा जो चंद्र लोक हाउसिंग कालोनी
कुसी रोड लखनऊ में स्थित है), और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकार अधिकारी के कार्या-
लय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 26-12-80को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्ना प्रतिशत अधिक है
यों-अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण विहित अर्थव्यवस्था रूप से कथित नहीं किया गया
है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ज्ञान प्रकाश सक्सेना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कामनी रस्तोगी

(अन्तरिती)

(3) श्री ज्ञान अकाश सक्सेना

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए आवश्यक किया जाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्याबर संगति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पक्षोद्देशाशरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लॉट नं. 281, क्षेत्रफल 3840 वर्गगज स्थित चन्द्र-
लोक हाउसिंग कालोनी कुसी रोड ग्राम शेषपुर व तालार पुर
परगना, तहसील व जिला लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो
सेलडांड और फार्म 37 जो संख्या 7804 में वर्णित है जिनका
पंजीकरण सब रजिस्टार के कार्यालय में दिनांक 26-12-80
को दिया जा चुका है।अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लखनऊतारीख: 17-8-1981
मोहर :

प्रत्यक्ष भाषा, टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 अगस्त 1981

जी. आर्. आर. सं. एम-125/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 50/40 है तथा जो जय नारायण रोड, हसनगंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-12-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

- (1) श्रीमती चिणी बेबी निगम (अन्तरक)
- (2) श्री मोना जायसवाल (अन्तरिती)
- (3) श्री एम. बी. अस्थाना, एम आर तिवारी, एल प्रसाद, शीतलप्रसाद (यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 50/40 स्थित जय नारायण रोड हसन गंज लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेलडोड और फार्म 37 जो संख्या 7265 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्टार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 5-12-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लखनऊ

तारीख: 17-8-1981
मोहर :

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शारदा प्रसाद केसरवानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजेन्द्र प्रसाद रस्तागी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) बिक्रेता उपरोक्त

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 अगस्त 1981

जी. आर्. आर. सं. आर-157/अर्जन---अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 92/88-बी है तथा जो बरेली खन्वक में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौतमबुद्धमार्ग लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धायेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भवन संख्या 92/88-बी स्थित बरेली खन्वक (गौतम बुद्ध मार्ग) शहर लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 7698 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 24-12-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख 17-8-1981

मोहर :-

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ./1027—यतः मुझे, एम.
एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मजून प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. ख नं. 293, 294 है तथा जो जयपुर में
स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिष्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिष्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 6-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) डा. युधिष्ठिर देव शर्मा पुत्र श्री सूर्यनारायण जी शर्मा
निवासी सोकियों का रास्ता, किशनगंज बाजार,
जी. तोपखाना देश, जयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार गोधवानी पुत्र श्री खियल दास,
97 कंवर नगर जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के
राम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 6 अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम विजय महल दशहरा कोठी अन्तर्गत तहसील व जिला
जयपुर में खसरा नं. 293 व 294 में एक प्लॉट जिसकी क्षेत्रफल
1007 वर्गगज है और जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम
संख्या 110 दिनांक 6-1-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख: 17-8-1981
मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज. /सहा. आ. अर्जन/1032—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं. ए-48-बी है तथा जो जयपुर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
20-1-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था कि किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अमर सिंह राठौड़ पुत्र सादुल सिंह जी मुख्तार
श्रीमति रागीजी देवी चौहान पत्नि श्री एस. के.
चौहान निवासी गली नं. 6, राजापाक, जयपुर
(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रकाश देवी दुग्गल पत्नि निर्मल कुमार दुग्गल
निवासी कुन्दीगरी के भैरों का रास्ता, जयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. ए-48-बी मोती डूंगरी स्कीम, शान्तिपथ जयपुर
क्षेत्रफल 722.20 वर्गगज जो उप पंजीयक जयपुर द्वारा क्रम
संख्या 228 दिनांक 20-1-81 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख 17-8-1981
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा. आ. अर्जन/1028—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट है तथा जो उदयपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है) रजिष्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिष्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीकान्त भाटिया पुत्र रूपचन्द द्वारा मुख्तार आर्ज
श्री रूपचन्द भाटिया, उदयपुर

(अन्तरक)

(2) वेदप्रकाश पुत्र स्वर्गीय करमचन्द बाधानी द्वारा प्रकाश
टाईम इण्डस्ट्रीज, 19 सुरजपोल के बाहर, उदयपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट का हिस्सा, अलकापुरी उदयपुर में जो उप पंजियक,
उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 4156 दिनांक 31-12-80 पर पंजि-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख: 17-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आवेष सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1029---यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी में प्लॉट का हिस्सा है तथा जो उदयपुर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-1-81
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री श्रीकान्त भाटिया पुत्र रूपचन्द द्वारा मुस्तार आम
श्री रूपचन्द भाटिया, उदयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री ग्राम प्रकाश पुत्र स्व. श्री करमचन्द वाधानी
द्वारा प्रकाश टाइम्स इण्डस्ट्रीज, 19 सुरजपोल के
बाहर, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट का हिस्सा, अलकापुरी, उदयपुर जो उप पंजीयक,
उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 21 दिनांक 6-1-81 पर पंजीबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

तारीख: 17-8-1981

मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/1030—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट का हिस्सा है तथा जो उदयपुर में स्थित
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उदयपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-1-81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

9-236GI/81

(1) श्री श्रीकान्त भाटिया पुत्र रूपचन्द द्वारा मुख्तार आम
श्री रूपचन्द भाटिया, उदयपुर

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र प्रकाश पुत्र स्व. श्री करमचन्द वाधानी
द्वारा प्रकाश टाइम इण्डस्ट्रीज, 19, सूरजपोल
बाजार, उदयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जयपुर

प्लॉट बाके उदयपुर अलकापुरी का हिस्सा जो उप पंजीयक,
उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 1 दिनांक 3-1-81 पर पंजीब विक्रय
पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख: 17-8-1981

साह्वर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1025—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो नयानगर (व्यावर) में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्यावर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के लिए;

(1) श्री हजारी बल्लू धन्नाजी रावत, भागसिंह, लक्ष्मण
सिंह पुत्रान कालूजी, धापू देवी बोवा कालूजी रावत
निवासी सिगाडिमाह तह., व्यावर

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश चन्द्र बल्लू माणकचन्द जी कटारिया,
पीपलिया बाजार व्यावर एवं महावीर चन्द बल्लू मंगल-
चन्द गांधी निवासी सोजतराड़ पोस्ट सोजत जिला
पाली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मीजा नयानगर की भूमि खाता नं. 421 खसरा नं. 2098
व 2099 कुल रकबा 5 बीघा 5 बिस्वा 10 बिस्वांशी किस्म
बारानी पुरी जो उप पंजियक, व्यावर द्वारा क्रम संख्या 3689
दिनांक 3-12-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप
से विवरणित है।

एम. एल. चौहान

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 17-8-1981

सोहरा

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा. आ. अर्जन/1024—यतः सूझे,
एम. एल. चौहान,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में 'दुई किसी धाय की बाबत; उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
धोर/या;

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धायतः :—

(1) श्री हजारी लाल पुत्र धन्ना सिंह, मागूसिंह पुत्र कालू
एवं लक्ष्मण सिंह पुत्र कालूसिंह, श्रीमति धापू देवी
पतिन कालू रावत निवासी सिंघरिया तहसील ब्यावर
(अन्तरक)

(2) श्री माणक चन्द पुत्र मिश्रीलाल कटारिया नि. महा-
वीर बाजार, ब्यावर एवं श्री शान्तीलाल पुत्र मंगल चन्द
गांधी नि. सोजतराड़ जिला पाली
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा हूं ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ख. नं. 2097, 2100 की 3 बीघा 18 बिस्वा 3 बिस्वासी
कृषि भूमि जो उप पंजियक, ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 3815
दिनांक 9-12-80 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख: 17-8-1981
मोहर 3

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

जाय.सं. राज/सहा. आ. अर्जन/1022—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो नयानगर (ब्यावर)
में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

(1) श्री कन्हैयालाल शर्मा पुत्र सूरज करन जी शर्मा,
निवासी नैहरू नगर, ब्यावर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स महावीर कोलोनाइजर्स, ब्यावर द्वारा इसके
भागीदार श्री पारसमल पुत्र पद्मसिंह मंडतवाल एवं
रामेश्वरलाल पुत्र श्री धूलचन्दजी भूतड़ा, निवासी
ब्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषिभूमि मीठा नयानगर तहसील ब्यावर खसरा नं. 1963,
1964, 1965 क्षेत्रफल 6 बीघा 5 बिस्वा जो उप पंजीयक,
ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 3838 दिनांक 10-12-80 पर पंजी-
बद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा आ. अर्जन/1023--यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ब्यावर में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लक्ष्मण सिंह वल्ल लाल सिंह जी भाटी राजपूत,
निवासी दादावाडी के पास ब्यावर।

(अन्तरक)

(2) श्री बन्शीलाल वल्ल मूलचन्द जी, श्रीमति प्रेमवती
पत्नि बन्शीलाल जी जाति सुनार साकिन गजरान
मोहल्ला, ब्यावर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मीजा नयानगर खसरा नं. 1022, 1224 रकबा कुल
4-7-0 का आधा हिस्सा जो उप पंजीयक ब्यावर द्वारा क्रम
संख्या 3819 दिनांक 9-12-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में
और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा. आ. अर्जन/1026—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान है तथा जो लाडनू में स्थित है,
(और इससे उपावृद्धि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लाडनू में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-12-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत हो गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

(1) श्री दीपचन्द पहाड़िया पुत्र स्व. श्री लूणकरण
पहाड़िया, "बी" रोड़, सरदारपुरा, औफपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम सुख पुत्र श्री नथमल टाक, मनेजर, बैंक
आफ बड़ोदा, सहाड़ा जिला भीलवाड़ा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान आबादी लाडनू में वीक्षण तरफ स्थित खन्देश से जो
उप पंजीयक, लाडनू द्वारा क्रम संख्या 871 दिनांक 22-12-80
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज/सहा. आ. अर्जन/जयपुर--यतः मुझे, एम. एल. चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. द्कान नं. 65 ए है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-12-1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री जयराम उर्फ जसवन्त सिंह पुत्र श्री मनीराम जाति जाट, निवासी लाधूवाला, तहसील व जिला श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री विशम्बर दयाल जाति अग्रवाल, निवासी 149 विनोबा बस्ती, श्री गंगा-नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

द्कान नं. 65/ए वाके कातवाली रोड़, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्री गंगाकर द्वारा क्रम संख्या 2699 दिनांक 31-12-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रकट आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जनी/—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. दूकान नं. 65 बी है तथा जो श्री गंगानगर
में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 12-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे बहु विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मामराज पुत्र श्री मनी राम जाति जाट, निवासी
लाधूवाला, तहसील व जिला श्रीगंगानगर।
(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर चन्द अग्रवाल पुत्र श्री कंवरसैन, जाति
अग्रवाली, निवासी 76 डी. ब्लॉक, श्रीगंगानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहुस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दूकान नं. 65 बी वाके गोल बाजार श्री गंगानगर जो उप
पंजिक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2368 दिनांक
12-12-80 पर पंजिवद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणीत है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जुन/जयपुर—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. गणेश टाकीज है तथा जो श्री गंगानगर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

यतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
10—236GI/81

(1) श्री रामकिशन बेहानी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण बेहानी
महेश्वरी, निवासी हनुमानगढ़, द्वारा सैमर्स आनन्द
शियेटर, हनुमानगढ़ जंक्शन।

(अन्तरक)

(2) श्री गोपीराम गोयल एडवोकेट पुत्र श्री मंगतराम,
मकान नं. 1, मत्यानारायण मन्दिर, श्री गंगा-
नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

"गणेश टाकीज" श्री गंगानगर में हिस्सा जो उप पंजीयक,
श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2348 दिनांक 8-12-80
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981
माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश सं. राज./सहा. आ. अर्जन/जयपुर---यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं. गणेश टाकीज है तथा जो श्री गंगानगर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 11-12-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रामकिशन बेहानी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण बेहानी
महेश्वरी, निवासी हनुमानगढ़, द्वारा मैसर्स आनन्द
थियेटर, हनुमानगढ़ जंक्शन।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश चन्द्र पुत्र श्री गोपीराम गोयल, मकान
नं. 1, सत्यानारायण मन्दिर, श्री गंगानगर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

“गणेश टाकीज” श्री गंगानगर में हिस्सा जो उप पंजीयक,
श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2342 दिनांक 11-12-80
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, जयपुर

तारीख : 17-8-1981

मोहर []

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आदेश स. राज./सहा. आ. अर्जन/जयपुर—यतः मुझे,
एम. एल. चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स. गणेश टाकीज है तथा जो श्री गंगानगर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर
में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 8-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री रामकिशन बंहानी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण बंहानी
महेश्वरी, निवासी हनुमानगढ़, द्वारा मैसर्स आनन्द
थियेटर, हनुमानगढ़ जंक्शन।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार गोयल पुत्र श्री गोपीराम गोयल,
निवासी मकान नं. 1, सत्यानारायण मन्दिर, श्री
गंगानगर।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"गणेश टाकीज" श्री गंगानगर में हिस्सा जो उप पंजीयक,
श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2345 दिनांक 8-12-80
पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५--

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 अगस्त 1981

आवशे सं. राज./सहा. आ. अर्जन/जयपुर—यतः मुझे, एम. एल. चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. गणेश टाकीज है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-12-1980 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रामकिशन बेहानी पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण बेहानी महेश्वरी, निवासी हनुमानगढ़, द्वारा मैसर्स आनन्द थियेटर, हनुमानगढ़ जेक्शन।
(अन्तरक)

(2) श्री राधेश्याम गोयल पुत्र श्री गोपीराम गोयल, निवासी मकान नं. 1, सत्यानारायण मन्दिर, श्री गंगानगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“गणेश टाकीज” श्री गंगानगर में हिस्सा जो उप पंजीयक, श्री गंगानगर द्वारा क्रम संख्या 2346 दिनांक 6-12-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणीत है।

एम. एल. चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आर्द्. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती रोसम्मा नो. सण।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मजिस्टिक सिनिमा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं. एल. सी. 528/81-82—यतः मुझे, टी जेड्. माणि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो आरक्कल में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आरक्कल में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 18-12-1980
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

49, 860 Cents of leased with a theatre in Sy. No. 222 of
Narakkal Village.

टी. जेड्. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 11-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री फ्राङ्को

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) फिलोमिना जोसफ एण्ड सन्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

निर्देश सं. एल. सी. 529/81-82—यतः मुझे, टी. जेड्. माणि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-12-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

19. 250 Cents of land with building in Sy No. 567 of Ernakulam Village.

टी. जेड्. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकुलम

तारीख 11-8-1981
मोहरः

अनुसूची 10 टी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निररीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

निर्देश सं. एल. सी. 530/81-82—यतः मुझे, टी.
जेड्. माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम
में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 22-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री अब्दुल्ला कुट्टि, सुहरा और आस्याउम्मा
(अन्तरक)

(2) श्री कोचोसेफ
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

15. 454 Cents of land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Erna-
kulam Village.

टी. जेड्. माणि

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निररीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 11-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

निर्देश सं. एल. सी, 531/81-82—यतः मूझे,
टी. जेड. माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन,
दिनांक 22-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मुहम्मताली एन्ड अदरेस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधामणी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12. 890 Cents of land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of
Ernakulam Village.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकुलम

तारीख: 11-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, एरणाकुलम

कोष्ठिन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

निदेश सं. एल. सी. 532/81-82--यतः मुझे, टी. जेड. माणि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-12-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

11-236GI/81

(1) श्री सईदमुहम्मद, अब्दुलअसीस और श्रीमती सुहरा (अन्तरक)

(2) श्री हाइकुणि, रामकृष्ण, पवित्र और लाल (अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18.016 Cents of land with building in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Ernakulam Village.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, एरणाकुलम

तारीख: 11-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अब्दुल ख़ादर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अच्चाम्मा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 11 अगस्त 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

निर्देश सं. एल. सी. 533/81-82—यत मुझे,
टी. जेड. माणि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 22-12-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से है किसी आय की नावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

11.590 Cents of Land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Erna-
kulam Village

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारीख 11-8-1981
मोहर :

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकुलम

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 13 अगस्त 1981

निर्देश सं एल. सी. 534/81-82—यतः मुझे, टी. जेड. माणि, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिष्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-12-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जे. डानियल

(अन्तरक)

(2) श्री एन. मुरलीधरननाथर और के. हैमवती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6.636 Cents of Land with a building in Sy. Nos. 2510/1 & 2, 2371/2 of Ernakulam Village.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकुलम

तारीख 13-8-1981
मोहर

प्रासूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती उषा दिनेश

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम. पी. लारन्स अमला लारन्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 19 अगस्त 1981

निवेदन सं. एल. सी. 535/81-82—यतः मुझे,
टी. जेड. माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स. अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवनन्तपुरम
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुवनन्त-
पुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 18-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

74 Cents of Land with building is Sy. No. 1838-A/3 in
Vanchiyoor Village.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकुलम

तारीख: 19-8-1981
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एन, बी. लाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी. सी. सुहरा

(अन्तरिस्ती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 19 अगस्त 1981

निवेदन सं. एल. सी. 536/81-82—यतः मुझे,
टी. जेड. माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मट्टाक्वेरी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिष्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोच्चिन में
भारतीय रजिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 12-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिस्ती
(अन्तरिस्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

12 Cents of land with building in Sy. No. 28/1 & 9 in
Mathancherry Village.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, एरणाकुलम

तारीख: 19-8-1981
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 19 अगस्त 1981

निर्देश सं. एल. सी. 537/81-82—यतः मुझे, टी. जेड. माणि, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मट्टाच्चेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोच्चिन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-12-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री एन. पी. लाल

(अन्तरक)

(2) श्री हाणि पी. एम्. मुहम्मद इब्राहिम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9. 4.30 Cents of land in Sy. No. 28/1 etc. in Mathancherry Village.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, एरणाकुलम

तारीख: 19-8-1981
मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एन. वी. लाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती वी. सी. सुहरा

(अन्तरीती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रँज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 19 अगस्त 1981

निदेश सं. एल. सी. 538/81-82—यतः मुझे,
टी. जेड. माणि,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, जो मट्टात्रचेरी में
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोच्चिन में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 12-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
शतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था निम्नलिखित में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8.770 Cents of land in Sy. No. 28/1 etc. in Mathancherry
Village.

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रँज, एरणाकुलम

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री एन. पी. लाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती वी. सी. सुहरा

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क़े यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

अर्जन रोज़, एरणाकूलम

कोच्चिन-16, दिनांक 19 अगस्त 1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश म एल सी 539/81-82—यत मुझे, टी. जेड. माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु से अधिक है

और जिसकी म अनुसूची के अनुसार है, जो मट्टाश्वेरी में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिष्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोच्चिन में भारतीय रजिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

20.675 Cents of land with building in Sy. No. 28/1 etc. in Mathancherry Village.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

टी. जेड. माणि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, एरणाकूलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित:-

तारीख : 19-8-1981

सुहरा :

प्ररूप आर्ट टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2712--यतः मूके, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जैतो में
रजिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

12-236 GI/81

(1) श्री संसारी लाल, मंगल पाल पुत्र बलाका सिंह,
गांव जैतो जिला फरीदकोट

(अन्तरक)

(2) श्री संजीव कुमार पुत्र बृज लाल गांव जैतो जिला
फरीदकोट।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1125 दिसम्बर
1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जैतो ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी.—यतः मुझे, आर. गिरधर, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रजिस्टर मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्त्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तव से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

- (1) श्री परशोतम कुमार तथा कदमीर सिंह पुत्र बलाका सिंह गांव जैतो जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

- (2) श्री राजेश कुमार पुत्र बज लाल गांव जैतो जिला फरीदकोट

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1126, दिनांक दिसम्बर 1980 को राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतो ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981
मोहर:

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए० पी. 2715—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नरनेन्द्र पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भान्सा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अक्षेप के उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बलबीर कौर माता श्री बलजिन्द सिंह पुत्र राजिन्द्र सिंह, गांव नारनेन्द्र पुर तहिल. मानसा जिला मटिण्डा

(अन्तरक)

(2) श्री अरमिन्द्र सिंह पुत्र तेजिन्द्र सिंह गांव नारनेन्द्र पुर तहिल. मानसा जिला भाटिण्डा

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्धु है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5889 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भान्सा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन०, एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2716—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मअन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नारनेन्द्र पुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में लगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या क्रिमी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तःकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीत :—

- (1) श्रीमती बलबीर कौर माता श्री नलजिन्द सिंह पुत्र राजिन्द सिंह गांव नारनेन्द्र पुर तहिल. मानसा जिला भाटिठण्डा।
(अन्तरक)
- (2) श्री गुरपीत सिंह पुत्र तंजिन्द सिंह गांव नारनेन्द्र पुर तहिल. मानसा जिला भाटिठण्डा
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इन सूचना का राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इन सूचना का राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5890 दिनांक मार्च 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख 18-8-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. जे. पी. 2716—यत मूके, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो
माडल टाउन रोड जालंधर में स्थित है (और उपाबद्ध में
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री कैप्टन भारत राम पुत्र वसन राम मुख्तियार आम
मादा बंती पत्नी कैप्टन भगत राम, 98 चर्च रोड,
जगपुरा, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जगवीर सिंह पुत्र कपूर सिंह वासी, 573,
माडल टाउन जालंधर 1 अब 34-35, न्यू मार्कोट,
टाउन जालंधर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5665, दिनांक
दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, जालंधर

तारीख 18-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निदेश नं. एं पी 2718--यतः मूके, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो माडल टाउन रोड जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री कैप्टन भगत राम पुत्र बसंत राम मुख्तियार आभ माया वंती पत्नी कैप्टन भगत राम, 98, चर्च रोड, जगपुरा नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री हरजीत सिंह पुत्र कपूर सिंह वासी 573, माडल टाउन जालंधर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5692, दिनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, जालंधर

तारीख 18-8-1981
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2719---यतः मूझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरदय सिंह पुत्र हरकिशन सिंह आप तथा मुस्तयार आम कलदीप और पत्नी हरकिशन सिंह और (2) सुशील पत्नी कैप्टन चरनजीत सिंह और (3) राजिन्द्र कौर पत्नी मंगोब सिंह वासी बस्ती बाडा खेल जालंधर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सवरन जैन पत्नी श्रीपाल, नरेश जैन पुत्र श्रीपाल, चैन लाल जैन पुत्र हम राज, पृष्पिन्द्र कुमार पुत्र डाक्टर साहिब दयाल जैन, और सुनील कुमार पुत्र पदम कुमार वासी, 248, लाजपत नगर, जालंधर

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5586, दिनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जालंधर

तारीख 18-8-1981
मोहर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी.—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
बस्ती शेख जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिनांक 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मेल कौर पत्नी बख्शी सिंह तथा केहरसिंह
काबुल सिंह पुत्र प्रखन सिंह वासी बस्ती शेख, जालं-
धर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गुरचरण कौर पत्नी रोशन सिंह वासी
ई. डब्ल्यू. एस. 325, बस्ती शेख, जालंधर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5446, दिनांक
सितम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख 18-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2721—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लधेवाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—236GI/81

(1) श्री सरबजीत सिंह पुत्र कर्नल नरायण सिंह गांव लधेवाली तह. जालंधर।

(अन्तरक)

(2) बचित्र सिंह पुत्र बिहारी लाल वासी भकान नं. बी-12-172, राजिन्द्र नगर, लाडावाली रोड जालंधर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5756, दिनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2722—यत. मुक्त, आर. गिरधर,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
 सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
 लधेवाली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
 पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
 के अधीन, तारीख जनवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
 के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
 विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
 बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
 नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सन्दिग्ध के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
 निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सरबजीत सिंह पुत्र कर्नल नारायण सिंह गांव लधे-
 वाली, तह. जालंधर।
- (2) श्री जगदेव सिंह पुत्र बचित्र सिंह पुत्र बिहारी लाल
 दासी मकान नं. बी-12-172, राजिन्द्र नगर लाडा-
 वाली रोड, जालंधर
- (3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
 वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करना ह।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तन्मन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 है, वही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि ब्रिलेख नं. 5992, दिनांक
 जनवरी, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर ने लिखा
 है।

आर. गिरधर
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981
 मोहर :

प्रकृप धारा 10 टी० एन० २१०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2723—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मैं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लिदर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घटायित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के निम्न नग्न राया गया प्रातफन निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त घन्तरण निखित में वास्तविक रूप में कबित नहीं किया गया है।—

(क) घन्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के बाविर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा

ख। ऐसी किसी आय या किसी व. या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रक. नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कलवीर सिंह, लखवीर सिंह और सुरिन्दरपाल सिंह पुत्र उत्तम सिंह, गांव कलयाण पुर तह. जालंधर (अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह, हरमिन्द सिंह और चरह सिंह पुत्र जमी सिंह, गांव लिवडा तह. जालंधर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता कि वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5653, दिनांक दिसम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निम्न नं. ए. पी. 2724—यत. मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो नरनाला कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवां शहिर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चगुण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गृविन्द सिंह पुत्र अजीत सिंह गांव बरनाला कला तह. नवां शहिर।

(अन्तरक)

(2) श्री मनजीत सिंह, राजिन्द्र सिंह व परमजीत सिंह पुत्र गुरचरण सिंह मकान नं. 81/1 मोहल्ला गोबिन्दगढ़ तह. नवां शहिर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं. 2, में लिखा है।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3177, दिनांक दिसम्बर, 1980, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवां शहिर में लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख: 18-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देशन ए पी 2725—यत मुझे, आर गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी स जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव
जकपुर खूरद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय, शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980 को
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स गोविन्द रईस और जनरल मिल लौहिया
द्वारा श्री शशांग सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी लौहिया
रास, (2) वरुन्त सिंह पुत्र हरनाम सिंह, (3) साधु
सिंह पुत्र हरनाम सिंह (4) करनैल सिंह पुत्र हरनाम
सिंह (5) प्रीतम सिंह पुत्र भगत सिंह वासी मुलतान-
पुर (6) परमजीत सिंह पुत्र बचन सिंह वासी नवापिड-
दोनीवाल तह नोकोदर

(अन्तरक)

(2) मैसर्स न्यू सावत रईस और जनरल मिल लौहिया,
तहसील नकादर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख न 1748, दिनांक
दिसंबर 80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाह कोट ने लिखा
है।

आर गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख 18-8-81
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

माधकर प्राधिकायम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालधर

जालधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए पी 2726—यत मुझे, आर गिरधर आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) और इसे इनमें इसके अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वामी सम्पत्ति निम्नलिखित उक्त अन्तरण मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा तो फगवाडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण नहीं किन्तु धारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी-किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियाँ जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थात्:—

- (1) श्री सोमदत्त दत्तरा पुत्र राम सरन दास मुख्याय आम सर्वश्री राज कुमार अशोक कुमार सुपुत्र राम प्रकाश वासी सेंटल टाउन फगवाडा (अन्तरक)
- (2) श्री सुरजीत सिंह पुत्र उजागर सिंह वासी सेंटल टाउन फगवाडा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रॉच रखता है (वह व्यक्ति निम्नलिखित बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति में प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधिनियम में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किये जा सकेंगे।

हस्ताक्षर:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 2275, दिनांक दिसंबर 80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा ने लिखा है।

आर गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालधर

तारीख 18-8-81
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2727—यतः मुझे, आर. गिरधर, हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकाण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, अपने दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या हायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायक के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री यमन लाल पुत्र राम चन्द जैन वासी एन डी-48 विक्रमपुरा, जालंधर

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश कुमार पुत्र कस्तूरी लाल, श्रीमती निर्मल कुमारी पत्नी परजन कुमार श्रीमती शनिडी देवी जैन पत्नी कस्तूरी लाल, श्रीमती विनोद जैन पत्नी विनोद कुमार, कमला जैन पत्नी सुदर्शन कुमार जैन, किरन जैन पत्नी प्रमोद कुमार वासी 403-404 आदर्श नगर, जालंधर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

सम्पत्ति और व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 5367, दिनांक दिसंबर 80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर नं लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख: 18-8-81
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालधर

जालधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. पी 2728—यह मुझे, आर गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अजराम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हांशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् :—

(1) श्री अमरीक सिंह बलदोर सिंह सुपुत्र निरजन सिंह वासी अजराम जिला हांशियारपुर (अन्तरक)

(2) श्री मूलस सिंह सुपुत्र रघनीर सिंह वासी अजराम, हांशियारपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति और सम्पत्ति जैसा कि बिलेन नं. 3848, दिनांक दिसम्बर 1980 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हांशियारपुर ने लिखा है।

आर गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालधर

तारीख 18-8-81
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2729—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पत्रात् —

14—236GI/81

- (1) श्री अजागर सिंह पुत्र नंद सिंह वासी जी. टी. रोड, फगवाड़ा
(अन्तरक)
- (2) श्री रोशन सिंह पुत्र जसवन्त सिंह वासी जगरावा रोड, लुधियाना
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति और सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2343, दिनांक दिसंबर 80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, जालंधर

तारीख: 18-8-81

मोहर :

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2730—यतः मुझे, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 'जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जमने बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री वरजिंदर सिंह पुत्र राजा हरमिंद्र सिंह मस्तयाग आम, ऊषा देवी पत्नी राजा हरमिंद्र सिंह वासी कपूरथला

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहर लाल पुत्र टीकन राम, टाक देवी पत्नी मनोहर लाल, योग राज पुत्र मनोहर लाल, नानकी देवी पत्नी योग राज, तिलक राज पुत्र मनोहर लाल, निरमला रानी पत्नी तिलक राज, वासी मकान नं. 315-316, मोहला कमावा, कपूरथला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2772, दिनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, जालंधर

तारीख: 18-8-81
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2731—यतः मुझे, आर. गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जसविन्द्र सिंह, हरनेक सिंह पुत्र बलवंत सिंह
जोगिन्द्र कौर तथा शरण कौर विधवा बलवंत सिंह
उर्फ गुरटके सिंह पुत्र बलवंत सिंह वासी गांव काला
टिवा तह: फाजिलका

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोशेलया देवी पत्नी हजार लाल वासी गली
नं. 6, मण्डी अबोहर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2741, दिनांक
दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रज, जालंधर

तारीख: 18-8-81
मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निदेश नं. ए. पी. 2732--यतः मुझे, आर गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिष्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अबोहर में रजिष्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त्रे) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग क, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री गोपाल चंद पुत्र राम चंद वासी गली सुन्दर
अश्वरान,, फजिलका (अन्तरक)
- (2) श्री फकीर चंद, राजिन्द्र पाल तथा सुरिन्द्र कुमार
पुत्र देवे राज बंसल वासी गली नं. 21, गोशाला
रोड अबोहर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की, तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 2502, दिनांक
दिसम्बर 1980 को रजिष्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा
है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख: 18-8-81
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए. पी. 2733—यतः मुझे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव पुनीआ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवा शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नष्ट किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, दृष्टि :-

(1) श्री मिलखा सिंह पुत्र बावा सिंह गांव पुनीआ तहसील नवां शहर जिला जालंधर (अन्तरक)

(2) श्री जसविन्द्र सिंह पुत्र अमरीक सिंह गांव बिलगा तहः फिलौर जिला जालंधर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 3074, दिनांक दिसम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवां शहर ने लिखा है।

आर. गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालंधर

तारीख: 18-8-81
मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 5th August 1981

No. A.35014/1/79-Admn.-II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri Yoginder Nath, a permanent Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis on deputation to the post of Section Officer (Special) for a period from 20-7-81 to 19-10-81, or until further orders, whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of Shri Yoginder Nath will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)B-III dated 4-5-1961, as amended from time to time.

D. S. PAHWA
Section Officer,
for Secretary
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 14th August 1981

No. A-32013/3/79-Admn.I(Vol.II).—In continuation of Union Public Service Commission's notification of even No. dated the 18th June, 1981, the President is pleased to appoint Shri B. Das Gupta, a permanent Grade I officer of the CSS cadre of UPSC, to officiate in the Selection Grade of the CSS as Deputy Secretary in the same office on an *ad hoc* basis, for a further period of 3 months w.e.f. 3-7-1981 to 2-10-1981, or until further orders, whichever is earlier.

Y. R. GANDHI
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 21st August 1981

No. O.II-1594/81-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri D. D. Gupta, an IPS officer of M.P. Cadre as Dy. Inspector General of Police in the Central Reserve Police Force.

2. Shri Gupta took over charge of the post of DIGP CRPF Srinagar (J&K) on the afternoon of 1st August, 1981.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 19th August 1981

No. 10/19/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. H. Majumdar, Deputy Director of Census Operations in the office of the Registrar General, India, New Delhi and at present working as Joint Director of Census Operations, on *ad hoc* basis, as Joint Director in the scale of pay of Rs. 1500—1800 in the same office, on a purely temporary and *ad hoc* basis, with effect from the forenoon of the 20th July, 1981 for a period not exceeding one year or till the post is filled in, on a regular basis, whichever is earlier.

2. The headquarters of Dr. Majumdar will be at New Delhi.

3. The above-mentioned *ad hoc* appointment will not bestow upon Dr. Majumdar any claim to regular appointment to the post of Joint Director. The services rendered by him on *ad hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above mentioned *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the appointing authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 5th September 1981

No. 25/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960=100 increased by eight points to reach 447 (Four hundred and forty seven) during the month of July, 1981. Converted to base : 1949=100 the index for the month of July, 1981 works out to 543 (Five hundred and forty three).

T. YOGANAND,
Dy. Director

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 5th August 1981

No. 1949/CA.1/75-71.—Shri B. K. Sharma, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board and *Ex-Officio* Director of Commercial Audit, New Delhi has expired on 5-5-1981.

M. A. SOMESWARA RAO
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
COMMERCE WORKS & MISC.

New Delhi, the 14th August 1981

No. Admn.I/2(1)/VII/2003-10.—The Director of Audit, Commerce Works & Misc. New Delhi has ordered the promotion of Shri P. P. Jerath, Section Officer (Audit & Accounts) as temporary Audit Officer on provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. 13-7-81 (FN).

G. R. SOOD
Jt. Director

New Delhi, the 24th June 1981

No. Admn.I/2(1)/VII/1413-19.—The Director of Audit CW&M, New Delhi has ordered the promotion of the following Section Officers as temporary Audit Officers of provisional basis in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 w.e.f. the dates indicated against each.

Shri O. P. Seth—30-4-81 (FN).
Shri K. D. Sharma—9-6-81 (FN).

A. THAPAN
Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

Trivandrum, the 12th August 1981

No. Estt.A/VII/9-86/Vol.II/154.—The Accountant General, Kerala is pleased to ante-date the substantive appointment of Shri S. Chellappan, Accounts Officer to 1-4-1979.

The Accountant General, Kerala is also pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers (Audit and Accounts) of this office in substantive capacity in the Accounts Officers' grade of Rs. 840—40—1000—EB—40 12000 with effect from the date shown against each :—

1. Shri P. U. Mani—1-6-1979
2. Smt. Catheline Issac—1-11-1979
3. Shri T. L. Varkey—1-1-1981
4. Shri T. Velappan Nair—10-1-1981
5. Shri C. J. George—1-3-1981
6. Shri M. J. Mathew—1-5-1981
7. Shri P. Lakshminarayana Sarma—1-6-1981.

D. SIVARAMAKRISHNAN
Sr. Deputy Accountant General (Adm.)

MINISTRY OF DEFENCE

ORDNANCE FACTORY BOARD
DGOF HQRS. CIVIL SERVICE

Calcutta-700069, the 19th August 1981

No. 16/81/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Yoginder Nath Goswami, Asstt. Staff Officer (Ad-hoc), as Offg. Assistant Staff Officer, in an existing vacancy, without effect on seniority, from 14.7.81 until further orders.

Shri Goswami will be on probation for two years from the date of his promotion.

D P CHAKRAVARTI
ADGOF/Admn.

for Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 12th August, 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1135/76-Admn(G)/4737.—The President is pleased to permit Shri R. Sadasivan an officer of Grade II of the Indian Statistical Service and holding the post of Director of Statistics in this office, to retire from Government service with effect from the 31st July, 1981 (AN)

A. N. KAUL,

Dv. Chief Controller of Imports and Exports,
for Chief Controller of Imports & Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 17th August 1981

No. A-19018/554/81-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri S. K. Gaur, Junior Accounts Officer, Pay & Accounts Office (Small Scale Industries), New Delhi as Accounts Officer on ad-hoc basis for the period from 20.6.81 to 7.10.81 in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the forenoon of 20.6.1981

The 19th August 1981

No. A-19018/521/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Arvind S. Madbhavikar as Assistant Director (Gr. I) (Electrical) at Small Industries Service Institute, Bombay with effect from the forenoon of 17th June, 1981 until further orders.

The 24th August 1981

No. 12(760)/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Guru Swamy, Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) at Small Industries Service Institute, New Delhi as Deputy Dir. (Mech.) at Regional Testing Centre, New Delhi with effect from the forenoon of 7th July, 1981 until further orders.

No. A-19018(269)/77-Admn(G).—On attaining the age of superannuation Shri R. S. Suri, relinquished charge of the post of Section Officer in the Office of the Development Commissioner Small Scale Industries, New Delhi on the afternoon of 30th June, 1981.

No. A-19018(504)/80-Admn(G).—On attaining the age of superannuation Shri J. P. Gupta, relinquished charge of the post of Section Officer in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi, on the forenoon of 31st July, 1981.

No. A-19018/523/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. Ramachandran as Assistant Director (Gr. I), (Electrical) at Directorate of Production Centre, Ettimannur with effect from the forenoon of 24th July, 1981, until further orders.

C. C. ROY, Dy. Dir. (Admn.)

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS &
FATS

New Delhi-110019, the 11th August 1981

No. A-11013/1/79-Estt.—In continuation of this Directorate's notification of even number dated the 18th February, 1981, the ad hoc appointment of Shri P. S. Rawat, officiating Senior Hindi Translator in the Ministry of Civil Supplies, as Hindi Officer, has been continued in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils & Fats in the scale of pay of Rs. 650-30-740-30-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on purely temporary and ad hoc basis with effect from 1st September, 1981 (FN) to 31st December, 1981 (AN) or till the regular incumbent is appointed, whichever is earlier.

P. S. CHEEMA,
Chief DirectorDIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &
DISPOSALS
ADMIN. SECTION A-1

New Delhi-1, the 13th August 1981

No. A-1/1(906).—Shri V. S. Kashyap, permanent Superintendent and officiating Assistant Director of Supplies (Gr. II) in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay retired from Govt. service w.e.f. 31-7-81 (AN) on attaining the age of superannuation.

S. L. KAPOOR,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & DisposalsISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 11th August 1981

No. 4656B/A-19012(KVK)/80-19B.—Shri K. V. Kunnathu is appointed as Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30-6-1981, until further orders

No. 4667/A-19012(1-HM)/80-19A.—Shri Hiranmoy Mishra is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 8th June '81, until further orders.

The 19th August 1981

No. 4928B/A-19012(3-PKS)/81-19B.—Shri P. K. Jain is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 2-6-1981, until further orders

V S KRISHNASWAMY,
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th August 1981

No. A-19017(144)/81-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri D. P. Gupta,

Permanent Senior Technical Assistant (Stat) is promoted to officiate as Mineral Officer (Stat) in Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 4th June, 1981

The 17th August 1981

No. A-19011(292)/81 Estt A—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri M. Brahmanandan, Officiating Senior Technical Assistant (Geology) to the post of Asstt Mineral Economist (Int) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 28th July, 1981

No. A-19011(293)/81 Estt A—On the recommendation of the Union Public Service Commission the President is pleased to appoint Shri K. A. Krishna Prasad, Officiating Senior Technical Assistant (Geology) to the post of Asstt Mineral Economist (Int) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the Afternoon of 25th July 1981

The 20th August 1981

No. A 19011(294)/81 Estt A—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A. S. Bhalerao, Officiating Asstt Mining Engineer (group 'B' Post) to the post of Asstt Mineral Economist (Int) (Group 'A' Post) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th July 1981

S. V. ALI,
Head of Office,
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Surveyor General's Office

Dehra Dun, the 14th August 1981

No. E1-5758/594-Managers—The undermentioned personnel are appointed to officiate as Assistant Manager (Map Reproduction), Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against the temporary posts in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of the date as noted against each.—

Sl No	Name	Appointed with effect from	Remarks
1	Shri Sujit Roy	1-7-1981	Pay to be fixed according to rules.
2.	Shri Ranjan Suhas Choudhury	15-5-1981	Pay to be fixed at the minimum of the scale of pay prescribed for the post.
3.	Shri Daleep Singh Rawat	20-4-1981	Pay to be fixed according to rules.
4.	Shri Baidya Nath Ghosal	6-5-1981	Pay to be fixed according to rules.
5.	Shri Bibhuti Bhushan Maji	16-4-1981	Pay to be fixed according to rules.
6	Shri Harsh Pati	28-5-1981	Pay to be fixed according to rules.

K. L. KHOSLA, Lt General
Surveyor General of India,

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-110001, the 12th August 1981

No-F12-2(A)/81-Estt—The Director of Archives, Government of India hereby appoints the under mentioned

Officers as Archivist (General) on regular temporary basis with effect from the dates mentioned against each until further orders

Sl No	Name of the Officer	Present Designation	Date of appointment
1	Shri B. C. Sen	Asstt Archivist Grade (I) (General) and Offg as Archivist ad hoc-basis	31st July, 1981
2	Miss Gulistan Kapadia	Do	Do
3	Sh. P. Anand Raj (S. C. V. O.) (against reserved vacancy).	(Asstt Archivist Grade I (General))	12th August 1981 (forenoon)

B. S. KALRA
Administrative Officer
for Director of Archives,
National Archives of India

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th August 1981

No. 5(36)/60 SI—On attaining the age of superannuation Smt C. V. Andhare, Programme Executive, All India Radio, Nagpur retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June, 1981

H. C. JAYAL,
Dy Director of Administration,
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 14th August 1981

No. A-12025(II)/2/80-Est I—On the recommendation of the UPSC, Chief Producer, Films Division appoints Shri H. Vasantha Rao to officiate as Cameraman in the Films Division, Bombay with effect from the forenoon of 25th July, 1981 until further orders

The 19th August 1981

No. A-12026/4/81-EI—In continuation of Notification of even number dated the 27th May 1981, the Chief Producer, Films Division has appointed Shri K. S. Nayar, permanent Superintendent in the Films Division, Bombay, to officiate as Assistant Administrative Officer in Films Division, Bombay with effect from the forenoon of 11th July 1981, until further orders, vice Shri S. N. Singh, Assistant Administrative Officer promoted as Administrative Officer

S. N. SINGH,
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 19th August 1981

No. A 19019/63/77(NMEP)Admn I—The Government of India announces with profound regret the death of Shri C. P. Vijayan, Assistant Director (Ent) at the Regional Officer for Health & Family Welfare, Bangalore on the 29th May, 1981

No. A 12025/18/80-NICD/Admn I—The President is pleased to appoint Dr. K. V. Chandrashekhara to the post of Deputy Assistant Director (Mycology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from 21st July, 1981 (FN) and until further orders

No. A. 12026/21/80(HQ)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. N. Chail, Senior Architectural Assistant Architect, Directorate General of Health Services to the post of Assistant Architect in the same Directorate on a purely *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 24th July, 1981 and until further orders.

No. A. 31013/7/80(CFL)/Admn.I.—The President is pleased to appoint Smt. Gayatri Biswas to the post of Senior Analyst, Central Food Laboratory, Calcutta, in a substantive capacity with effect from the 9th December, 1976.

The 21st August 1981

No. A. 12025/18/80-NICD/Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Kaushal Kumar to the post of Deputy Assistant Director (Entomology) in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from 21st July, 1981 (FN) and until further orders.

T. C. JAIN,
Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF IRRIGATION

OFFICE OF THE GENERAL MANAGER FARAKKA BARRAGE PROJECT

Farakka Barrage, the 22th August 1981

No. F/PF-II/239/9210(6).—Sri Lalu Chand, Inspector of 36 Bn, C.R.P.F. Barapata (Assam) has been appointed on deputation as Security Officer, Farakka Barrage project, Ministry of Irrigation, Government of India, on *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from 22-6-81 (F.N.)

R. V. RANTHIDEVAN,
General Manager
Farakka Barrage Project.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNOEL DIVISION

Bombay-400 085, the 4th August 1981

No. PA/81(6)/81-R-IV/894.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers Grade SB with effect from the dates indicated under col. 4 against each, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders:—

Sl No.	Name	Post held at present	Date
1	2	3	4
1.	Shri D.P. Saha	Scientific Assistant (C)	1-2-81 (FN)
2.	Shri M. M. Kabli	Do.	Do.
3.	Shri S. T. Sathe	Foreman	Do.
4.	Shri P. C. Ramachandra,	Scientific Assistant (C)	9-2-81 (FN)
5.	Shri M. A. U. Khan	Foreman	1-2-81 (FN)
6.	Shri S. P. Kunwar	Do.	Do.
7.	Shri A. Mishra	Scientific Assistant (C)	Do.
8.	Shri S. P. Nayak	Do.	Do.
9.	Shri C. D. Colaco.	Do.	Do.
10.	Shri V. M. Yadnopaveet	Do.	Do.
11.	Shri R. T. Kulkarni	Do.	Do.
12.	Shri G. S. Deshpande	Draughtsman (C)	Do.

15—236GI/81

1	2	3	4
13. Shri A. S. Gokhale	Scientific Assistant (C)		1-2-81 (FN)
14. Shri V. K. Sahani	Foreman		Do.
15. Shri V. V. Kulkarni	Scientific Assistant (C)		Do.
16. Shri K. V. Kamath	Do.		Do.
17. Shri M. Unnikrishnan	Do.		Do.
18. Shri M. B. Savena	Do		Do.
19. Shri G. K. Srivastava	Do.		Do.
20. Smt. V. S. Bangera	Do.		Do.
21. Srit P. N. Junnarkar	Do.		Do.
22. Shri G. B. Castaelino	Forman		Do.
23. Shri M. R. Gopal	Do.		Do.
24. Shri K.C. Kunju	Scientific Assistant (C)		Do.
25. Shri S. V. Jamgaonkar	Draughtsman (C)		Do.
26. Shri P. S. Nadkarni	Scientific Assistant (C)		Do.
27. Shri A. D. Kulkarni	Do.		Do.
28. Shri Debaprasad Hajra	Do.		12-2-81 (FN)
29. Shri Surendra Nath	Do.		1-2-81 (FN)
30. Shri C. Chinnaiyan	Do.		Do.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 20th July 1981

No. PPED/4(702)/77-Adm. 9531.—Consequent on his transfer to the National Textile Corporation (M.N) Limited, Bombay (a Govt. of India Undertaking), Shri V. P. Kulkarni, a permanent Upper Division Clerk and an officiating Asstt. Accounts Officer in this Division, relinquished the charge of the post of Asstt. Accounts Officer w.e.f. July 06, 1981 AN.

B. V. THATTE,
Administrative Officer

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 17th August 1981

No. NAPP/Adm/1(16)/81-S/9869 —Consequent upon the expiry of his deputation terms, Shri Mahendra Kumar, Section Officer (Accounts), in the office of the Controller General & Defence Accounts on deputation as Assistant Accounts Officer in Narora Atomic Power Project, relinquished charge of his post on reversion to his parent department in the afternoon of July 30 1981.

R. K. BALI,
Administrative Officer III

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 20th August 1981

No. DPS/23/3/79-Est/17040 —The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Kanjirakkattu Essac George, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer (Ad-hoc) in the

scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same directorate from May 6, 1981 (FN) to June 20, 1981 (AN) vice Shri I. P. Menon, Assistant Stores Officer granted leave.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 17th August 1981

No. AMD-1/6/79-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, permanent Assistant and officiating Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-8-1981 until further orders.

No. AMD-2/2979/80-Adm.—The resignation tendered by Shri M. Ramesh, from the post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division with effect from 23rd February, 1981 (A.N.).

No. AMD-2/3156/81-Adm.—The resignation tendered by Shri Jishnu Dutta Goswami from the temporary post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from July 21, 1981 (A.N.).

The 19th August 1981

No. AMD-2/2982/80-Adm.—The resignation tendered by Shri Rama Murthy Sridhar from the post of Scientific Officer/SB in the Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy has been accepted by the Director, Atomic Minerals Division, with effect from 7-1-1981 (FN).

M. S. RAO,
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th August 1981

No. A. 31013/1/80-VE.—The President is pleased to appoint Sh. B. S. Gidwani as Director General of Civil Aviation with effect from 4-9-78 in a substantive capacity.

VISHNU BHAGWAN,
Director

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 22nd August 1981

No. A. 38019/I/E-I.—The undermentioned officers of India Meteorological Department have retired from the Government service on the dates mentioned against their names, on attaining the age of superannuation :

S. No.	Name	Designation	Date on which officers retired
S/Shri			
1.	P. Raghava Rao	Assistant Meteorologist	30-6-1981
2.	J. J. Singh	Do.	30-6-1981
3.	D. S. V. Rao	Do.	31-7-1981
4.	K.S.V. Rajagopalan	Do.	31-7-1981

No. A. 38019/I/E-J.—Shri S. N. Tripathi, officiating Deputy Director General of Meteorology, India Meteorological Department, retired from the Government service on 30-6-1981 on attaining the age of superannuation.

K. MUKHERJEE,
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology,

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION.

New Delhi, the 14th August 1981

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri L. C. Chandwani, Assistant Aerodrome Officer, Juhu Airport, Bombay, Office of the Aerodrome Officer, retired from Government services on the 30-6-1981 AN on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri P. C. Louis, Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Madras Region, Madras retired from Government services on the 30-6-1981 AN on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri N. N. Nair Senior Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Madras Region, Madras retired from Government services on the 30-6-1981 AN on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri S. S. Ibrahim Aerodrome Officer, Office of the Regional Director, Madras Region, Madras retired from Government services on the 30-6-1981 AN on attaining the age of superannuation.

No. A. 38013/1/81-EA.—Shri J. Prince Deputy Director, Office of the Regional Director, Madras Region, Madras retired from Government services on the 30-6-1981 AN on attaining the age of superannuation.

S. GUPTA,
Deputy Director of Admin.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 15th June 1981

No. 8/81.—Shri G. N. Hingwe, Superintendent of Central Excise, Group-B of this Collectorate having attained the age of superannuation retired from Government service w.e.f. the afternoon of the 31st May, 1981.

K. SANKARARAMAN,
Collector

Baroda, the 13th May 1981

No. 6/81.—Shri M. S. Gupte, Superintendent Group 'B' (Audit) Hdqrs., Baroda retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-4-81.

The 18th August 1981

No. 7/81.—Shri H. M. Mir, Assistant Collector of Central Excise, Group 'A' Surat Division-II retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-6-81.

No. 8/81.—Shri S. N. Barot, Superintendent of Central Excise, Group 'B' Board Division-I, retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-7-81

No. 9/81.—Shri N. M. Nanavati, Chief Accounts Officer (Expenditure) of Central Excise, Group 'A' Baroda retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-7-1981.

No. 10/81.—Shri H. D. Teckchandani, Examiner of Central Excise, Group 'B' (Audit : Branch) Hdqrs. Baroda retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-7-1981.

J. M. VERMA,
Collector of Central Excise,
Baroda.

Patna, the 22nd August 1981

No. II(7) 2-ET/79,7685—The following Confirmed/Officiating Superintendent, Group 'B' of this Collectorate have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each :—

S. No.	Name of Office	Designation	Date of superannuation
1.	Shri S. Moulik	Supdt. Gr 'B'	31-3-81 (A.N.)
2.	Shri S. K Prasad	Supdt. Gr 'B'	30-4-81 (A.N.)
3.	Shri R. A. Tiwary	Sudt. Gr 'B'	31-5-81 (A.N.)
4.	Shri S. N. A. Haque	Supdt. Gr. 'B'	30-6-81 (A.N.)

K. K. SRIVASTAVA
Assistant Collector (Hqs)
For. Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOM & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 18th August 1981

No. 11/81.—Shri R. N. Lal, Superintendent of Central Excise Group 'B' in the Central Excise Collectorate Meerut on transfer to the North Regional Unit of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise at Ghaziabad vide Directorate Order C. No. 1041/2/81 dated 30-6-81, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 25-7-81 (A.N.).

K. J. RAMAN,
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 1st August 1981

(MERCHANT SHIPPING)

No. 615)CRA/77.—The Director General of Shipping, Bombay appoints Shri H. Shithung, Asstt. Director, Seamen's Employment Office Calcutta as Dy. Shipping Master, Calcutta with effect from forenoon of the 26-6-1981 and until further orders.

K. S. SIDHU,
Deputy Director General of Shipping
for Director General of Shipping.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 22nd August 1981

No. A-19012/749/79-Estt.V.—In supersession of this Commission Notification No. A-32014/1/77-Adm.V(Vol.II) dated 31/7/78, on the recommendations of the Departmental Promotion Committee, Chairman, Central Water Commission

approves that Shri Kailash Chander, Supervisor may be deemed to have been promoted to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on regular basis in an officiating capacity with effect from 30-6-1978.

2. As Shri Kailash Chander was deputation to Chukha Hydel Project in terms of the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 2(10)-E.III/70, dated 17-10-70, his deemed date of promotion has been fixed as 30-6-78 on the analogy of "Next Below Rules".

A. BHATTACHARYA,
Under Secretary,
Central Water Commission.

NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the 21st August 1981

No. 25.—Shri Y. T. Rehani, officiating Assistant Civil Engineer (Class II) of Northern Railway is confirmed with effect from 2-11-1973 in Class II service as Assistant Civil Engineer on this railway w.e.f. 2-11-1973.

DILRAJ SINGH,
General Manager

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL,

Bombay-400020, the 20th August 1981

ORDER

No. F. 48-Ad(AT)/81(1).—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches who was permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad hoc* basis in a temporary capacity for a period from 17-4-81 to 6-7-81 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/80, dated 9th April, 1981 is reverted to his original post of Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi with effect from the afternoon of 16th June, 1981.

No. F. 48-Ad(AT)81.—Shri Naranjan Dass, offg. Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi on *ad hoc* basis in a temporary capacity for the period from the 13th July, 1981 to 31-12-1981 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri Naranjan Dass, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA,
President

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 11269.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. 602/2, 624/2, situated at Krishna Ginning Factory, Naranapuram (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palladam (Doc. 1941/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) A. R. Palaniswamy
Anantharamakrishnan
Palladam Kaspā.

(Transferor)

(2) P. Samiappan,
V. Natarajan,
48/8, Ramanathapuram,
Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 602/2, 624/2, Krishna Ginning Factory, Naranapuram. (Doc. 1941/80).
8-12-1980.

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 12-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600006

Madras-600006, the 11th August 1981

Ref. No. 15864.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28, VI Main Road, RA puram situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 2198/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) K. G. Ramamurthy Iyer
R. Rajagopalan
R. Sriraman,
28, VI Main Road, Raja Annamalaipuram,
Madras-600028. (Transferor)
- (2) M. L. Balakrishnan
M. L. Santhanagopalakrishnan
M. L. Sivaramakrishnan
M. L. Viswanathan
4, Lakshmipuram, Tennur High Road,
Trichy-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at No. 28, 6th Main Road, Madras-28. (Doc. 2198/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 11-8-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 14th August 1981

Ref. No. 15846.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13, Rutland Gate St., situated at Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at North Madras (Doc. 5141/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) Baime-Quram,
1, Damodar St.,
Madras-600086.

(Transferor)

(2) President Janab Ahmed
Mohamed Sait Sahib
Akbar Mohamed Ibrahim
B. S. Azceemi
No. 1, Damodaran St., Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 13, Rutland Gate St., Madras-6.
(Doc. 5141/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 14-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 11th August 1981

Ref. No. 15865.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28, 6th Main Road, situated at Madras-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 2197/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. G. Ramamurthy Iyer,
R. Rajagopalan,
R. Sriraman
28, VI Main Road, Madras-28.

(Transferor)

(2) M. K. Raman,
M. R. Venkatachalam,
No. 4 Lakshmipuram, Tennur High Road,
Trichy-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 28, VI Main Road Madras-28.
(Doc. 2197/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 11-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 11th August 1981

Ref. No. 11245.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 307, Erode situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 5013/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Marappa Gounder
Shanmugasundaram
Narayana Valasu, Erode.

(Transferor)

(2) P. Savithri
60R, Surampatti Road, Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No 307 Erode. (Doc. 5013/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 11-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madrass-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 9252.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

66, 66A, Mariamman Koil situated at St. Dindivanam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindivanam (Doc. 2488/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) T.P.S.M. Mohammed Hussain,
T.P.S.M. Khader Mohideen,
T.P.S.M. Fakkir Mohideen,
6, Abbay Pathar St., Dindivanam. (Transferor)
- (2) Radhakrishnan,
28, Mylam Road, Dindivanam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 66, 66A, Mariamman Koil St., Dindivanam. (Doc. 2488/80)

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-8-81

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 9237.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 78 A1/A2, Office Road, Alangudi, Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pudukottai (Doc. 3898/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. Natarajan
Secretary
Central Co-op. Bank,
Pudukottai.

(Transferor)

(2) S. Thomas Udayar
S/o Chandiyagu Udayar,
Gandhi Road, Alangudi,
Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 78 A1/A2, Office Road, Alangudi, Pudukottai. (Doc. 3898/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-8-81.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 11237.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 317/2A, Peria Semur situated at (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Doc. 4834/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Chinnammal W/o Muthuswamy Gr.
Manickampalayam, Peria Semur,
Erode. (Transferor)
- (2) Saraswathy W/o K. Nallamuthu
K. Nallamuthu S/o Kasiyana Gr.
K. Kolandaswamy S/o Karuppana Gr.
S. Ramaswamy S/o Chinnamalai Gr.
Rangaswamy S/o Kozhandaswamy,
Manickampalayam, Peria Semur,
Erode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 217/2A, Erode Peria Semur. (Doc. 4834/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 11237.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 317/2A, Peria Semur situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode (Doc. 4833/80 on December 1980)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Chinnammal w/o Muthuswamy Gr.
Manickampalayam, Peria semur Village,
Erode Tk. (Transferor)
- (2) Saraswathy
K. Nallamuthu
K. Kolandaswamy
S. Ramaswamy
Rangaswamy
Peria Semur Village, Erode. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 317/2A Peria Semur Erode, (Doc. 4833/80.

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 15842.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S No 89, 90, 157, 160, 161
situated at Coonoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer North Madras (Doc. 5163/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) President, Palace Administration Board,
Tripunithura, Kerala.
(Transferor)
(2) J. Raman, J. Ravi, J. Sureshbabu
Ss/o Late T. K. Joghee Gowder Aravenu,
Kotagiri Nilgiris Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 89, 90, 157, 160 and 161
coonoor. (Cod. 5163/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 18-2-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 12th August 1981

Ref No 16108.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13, Kamdarnagar, situated Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 2073/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. K. Pattabiraman,
39, Kamdarnagar, Madras-34.

(Transferor)

(2) Edida Jayalakshmi
34, II Main Road, Trustpuram,
Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 13, Kamdarnagar, Madras-34 (Doc. 2073/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 12-8-81

Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Nalluswamy
S/o Ramasway Pillai,
Chettupattai, Vannarapet,
Trichy.

(Transferor)

(2) R. M. Manivkam
S/o R. M. Ramaswamy Chettiar
75, Jail Road, Palakkarai
Trichy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA .

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 9200.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey 66/2, situated at Puthur (Doc. 8032/80) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. 7032/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 66/2 Puthur. (Doc. 7032/80)

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date : 18-2-81
Sc

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th August 1981

Ref. No. 15996 —Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Devala Gudalur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gudalur (Doc. 1454/80 on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Parakkot Mohamudunni Haji
Karangadan Kadeejaumma,
Parakkot Saidalu Haji
Kottammal Thanuparakkal Pathumma
Parakkot Muhamud Abdul Salam
Nottuthuodi Rukkiya
Chakkiri Sainaba
Pathutara Ayishakutty
Nottuthodi Muhamud
Edathanattukara Village,
Palghat Dt. Kerala.

(Transferor)

- (2) V. J. George
Geeyengec Timbers Kalloor
Mukunthapuram Tk Trichur Dt. Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Devala Village, Gudalur Tk. (Doc. 1454/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 12-8-81
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref. No. AMI/104/80-81.—Whereas, I SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 2 bighas situated at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amloh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—236 GI/81

(1) Shri Hazara Singh S/o S. Krishan Singh R/o V. Kukar Majra, P.O. Gobindgarh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Gopala Gases Private Limited,
38 Rajinder Park, New Delhi through

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 2 bighas at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 1883 of Dec. 80 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref. No. AML/108/80/-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 2 bighas situated at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Amloh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hazara Singh S/o Sh. Kishna R/o V. Kukar Majra, P.O. Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.
(Transferor)
- (2) M/s Gopala Gases Private Limited,
38 Rajinder Park, New Delhi through
Sh. Ramesh Bhatia, Director.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 2 bighas at V. Kukar Majra, S. Teh. Amloh, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No 1883 of Dec. 80 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Uudhians

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref. No. KHR/38/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. House No. 518 situated at Phase-III-B-I, Mohali, Distt. Roop Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kharar in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nath Singh S/o Shri Arjan Singh R/o V. Chuhan Majra, Teh. Rajpura.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh S/o Sh. Hardam Singh R/o Walian Wali, Teh. Phool, Distt. Bhatinda now at House No. 518, Phase-III-B-I, Mohali.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 518, Phase-III-B-I, Mohali, Distt. Roop Nagar, (The property as mentioned in the sale deed No. 4654 of Dec. 80 of the Registering Authority at Kharar)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Uudhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref No. LDH/341/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot measuring 1829 Sq. yds. situated at Habowal Kalan Teh & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Karnail Singh, Jaspal Singh, Gurdial Singh ss/o Sh. Sardara Singh r/o Vill. Talwandi Raika S. Teh. Raikot Distt. Ludhiana.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Romesh Chand s/o Krishan Chand & Surinder Kumar and Vinod Kumar and Subhash Chander ss/o Sh. Harbans Lal r/o Madhopuri Kucha No. 2, Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1829 Sq. yds. situated in Habowal Kalan Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 4865 of December, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref. No. CHD/301/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 229, Sector 21-A, situated at Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Hari Ram Sabharwal s/o Sh. Jagan Nath Sabharwal r/o c-69, Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri Gurdas Singh s/o Sh. Sadha Singh r/o 229, Sector 21-A, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) Sh. Ram Charan
Sh. Gurdial Singh
r/o H. No. 229, Sector 21-A, Chandigarh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 229 situated in Sector 21-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 1727 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref. No. CHD/302/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 1637 Sector 7-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Om Vati Verma w/o Sh. Dharam Dev Verma
2. Sh. Ramesh Kumar Verma)
3. Sh. Yogesh Verma)
4. Naresh Kumar Verma)
s/o Sh. Dharam Dev Verma
all r/o H. No. 1637, Sector 7-C, Chandigarh.
Now r/o SCF No. 12, Sector 19-C, Chandigarh.
(Transferor)
(2) 1. Smt. Harbhajan Kaur Bassi w/o Sh. Harbhajan Singh Bassi
2. Mrs. Manjit Kaur Bassi w/o Sh. Hindraj Singh Bassi
3. Mrs. Taj Kaur Bassi w/o Sh. Hardit Singh Bassi
4. Sh. Hardit Singh Bassi s/o Sh. Harnam Singh Bassi
r/o H. No. 210, Sector 19-A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Now r/o 1637, Sector 19-C, Chandigarh,
Residential House No. 1637 situated in Sector 7-C,
Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 1737 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 17-8-1981
Seal:

FORM IT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17 August 1981

Ref No. KHR/36/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1191 situated at Phase 7, Mohali, Distt. Roop Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in December, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohinder Singh S/o Sh. Sewa Singh, R/o 2420, Sector 19-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Daljit Singh S/o Sh. Gian Singh, R/o 1017, Sector 21-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1191, Phase V, Mohali, Distt. Roop Nagar
(The property as mentioned in the sale deed No. 4588 of Dec. 80 of the Registering Authority, Kharar)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. KHR/34/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 06, situated at Phase-I, Mohali, Distt. Roopnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Arjan Singh S/o Sh. Tara Singh,
R/o Kothi No 222, Sector 16A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Kamlesh Chander Gupta
S/o Sh. Fatch Chand,
R/o 100, Sector 28A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C6, Phase-I, Mohali, Distt. Roop Nagar,
(The property as mentioned in the sale deed No. 4514 of December 1980 of the Registering Authority, Kharar)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/288/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 55,000/- and bearing

No. Plot No. 1142 situated at Sector 34C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
18—236 GI/81

(1) Lt. Col. (Miss) R. C. James D/o Sh. G. U. James through his attorney Sh. Amarjit Singh R/o 669, Sector 33B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh Sohal S/o Dr. Inder Singh Sohal, R/o 1142, Sector 34C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1142, Sector 34C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1691 of Dec. 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/297/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half share in plot No. 1530 situated at Sector 36D, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.....

Chandigarh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt-Col. Krishan Mohan Nanda through his general power of attorney Sh. A. S. Prashar,
S/o Sh. P. Satyapal,
R/o 72, Sec. 118, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri M. L. Goyal S/o Sh. M. R. Goyal
R/o House No. 248, Sec. 35A,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in Plot No. 1530, Sec. 36D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1720 of December 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal ;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/303/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 369B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half share in Plot No. 1530 situated at Sector 36D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Lt. Col. Krishan Mohan Nanda through his general power of attorney Sh. A. S. Prashar
S/o Sh. P. Satyapal,
R/o 724, Sector 11B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswati Goyal
W/o Shri M. L. Goyal
R/o 248, Sec. 35A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share is Plot No. 1530, Sector 36D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1738 of Dec. 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/293/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1241, Sector 33-C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in 12/80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ex. Sub. Kailash Chander Sharma
S/o Sh. Dina Nath Sharma
C/o Dev Samaj Bhawan, Sec. 36-B, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Sh. Dinesh Kumar Gupta
s/o Sh. Baru Mal Gupta
r/o H. No. 3155, Sec. 28-D, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1241, situated in Sector 33-C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the registered deed No. 1706 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Jaspal Kaur Ghuman W/o Sh. Tarlok Singh Ghuman through Shri Gurcharan Singh C/o Sh. B. S. Ghuman, Bikram Hotel, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Bhal Singh Malik,
2. Master Ajay Malik,
3. Sanjay Malik
4. Ashok Malik
ss/o Shri Bhal Singh Malik and
5. Smt. Saroj Malik W/o Bhal Singh Malik,
all residents of House No. 72, Sec. 5, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/291/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 2/3rd portion of House No. 705, situated at Sector 8B, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/3rd portion of House No. 705, Sec. 8B, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1702 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref No CHD/296/80 81 —Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot No 5, Transport Area Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Ganda Mal Chuanji Lal of Kalka through Partner
 - 1 Sh Bharat Bhushan s/o Sh Des Raj
 - 2 Smt Madhu Singal w/o Sh Joginder Kumar
 - 3 Sh Sanjay Singal s/o Sh. Brij Bhushan Singal
 - 4 Smt Kanchan Singal w/o Sh Rajiv Singal
 - 5 Sh Rakesh Aggarwal s/o Sh. Kuldeep Parkash
 - 6 Sh Naveen Kumar s/o Sh Beni Parshad all r/o 3, Indl area Chandigarh through their General Attorney Sh. Kishori Lal s/o Sh Paras Ram of Kalka (Transferor)
- (2) 1 Sh Bachan Singh s/o Sh Narata Singh,
2 Sh Avtar Singh s/o Mehar Singh,
3 Sh Jodh Singh s/o Sh Ishar Singh,
4 Sh Charan Singh s/o Sh Hakam Singh,
5 Sh Darshan Singh s/o Sh Mal Singh,
6 Sh Baldev Singh c/o Sh Jai Singh,
7 Sh Tahal Singh s/o Sh Fateh Singh all c/o 5 Transport Area, Chandigarh (Transferee)
- (3) 1 M/s Roop Goods Transport
2 Sh R K Gupta
3 M/s Associated Road Carriers (Pvt) Ltd all r/o Plot No 5, Transport Area Chandigarh (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 5, Transport Area Chandigarh

(The property as mentioned in the Registered deed No 1718, of 12/80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM 11NS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/289/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhianabeing the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the (said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 3880, Sector 32, Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a. aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Sardar Singh s/o Sh. Ramjee Dass Sethi
r/o V. & PO. Dhanaura Teh. & Distt. Ambala.
(Transferor)
- (2) (i) Sh. Lachman Dass s/o Sh. Partap Chand
(ii) Sh. Sat Pal
(iii) Sh. Shubb Dass
(iv) Sh. Bharpoor Chand
ss/o Sh. Lachman Dass
all r/o H. No. 3157, Sector 21-D, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3880, situated in Sector 32, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1693 of December, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. DBS/62/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 2 K 12 Marlas with Kothi situated at V. Lohgarh, Steh. Dera Bassi, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shivraj Singh S/o Sh. Jaswant Singh
R/o Lohgarh now at House No. 1572, Sec. 33D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Singh S/o Sh. Gurbaksh Singh,
House No. 838, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Kanals 12 Marlas (with Kothi) at V. Lohgarh, S. Tehsil Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1281 of Dec. 80 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. DBS/63/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Land 2 kanals 12 marlas with Kothi situated at V. Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in December, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—236GI/81

- (1) Shri Jagdev Singh S/o Sh. Sucha Singh
R/o V. Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi now at House
No. 1564, Sector 33D, Chandigarh. (Transferor)

- (2) Shri Darshan Singh S/o Sh. Gurbaksh Singh,
R/o House No. 838, Sector 16D,
Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 2 Kanals 12 Marlas with Kothi at V. Lohgarh, S. Teh. Dera Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 282 of Dec. 80 of the Registering Authority, Dera Bassi).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/292/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3254, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in December 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jaswant Singh Chhina c/o H. No. 3206, Sector 31-D, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Mts. Sheilla Dogra w/o Sh. M. L. Dogra, r/o H. No. 1641, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 3254 situated in Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1704 of Dec. 1980 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. CHD/299/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3319, situated at Sector 32D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Gurnani S/o Sh. Mohan Dass through his attorney Sh. Gian Chand Khurana
S/o Sh. Bodh Raj,
R/o 3031, Sector 15D, Chandigarh.

(Transferee)

(2) Mrs. Sudarshana Devi Mahajan
W/o Sh. Muni Lal Mahajan & Sh. Muni Lal Mahajan S/o Sh. Faqir Chand
R/o 2124, Sector 35C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3319, Sector 32D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1722 of Dec. 80 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. KHR/32/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 924, situated at Phase-IV, Mohali, Distt. Roopnagar

() more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri H. B. Singh S/o Sh. Achhra Singh,
G. 14, Narain Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Harjinder Singh S/o Harbhajan Singh,
R/o 3371, Sector 27D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 924, Phase-IV, Mohali, Distt. Roopnagar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4475 of December, 1980 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana the 17th August 1981

Ref No SML/25/80 81 — Whereas I SUKHDEV CHAND
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhianabeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearingNo Land measuring 2 bighas 2 biswas situated at V Saungati
Pargana Chhavrigati Teh & Dist Simla(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Simla in December, 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Gulab Singh S/o Sh Devi Dass,
R/o V Saungati, Pargana Chhavrigati,
Teh & Dist Simla

(Transferor)

- (2) 1 Sh Nigam Singh S/o Dila Ram, Chohan Bldg
Sanjauli, Simla
2 Sh Suresh Kumar S/o Sh Bhagat Ram
R/o Galeha, Teh Kotkhai,
3 Sh Harnam Singh S/o Sh Nand Lal
R/o Mutli Teh Kumarsain
4 Sh Satender Chohan S/o Shri Gian Singh
R/o Mutli Teh Kotkhai
5 Sh Amolak Singh S/o Sh Vajagi Ram
R/o Kiani Teh Kot Khai
6 Sh Mahendra Chohan sons of Shri
7 Surinder Chohan, Jit Singh
8 Balbir Chohan R/o V Mulli
9 Sh Joginder Chohan & Teh Kotkhai
10 Rajinder Chohan Distt Simla

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 2 biswas at V Saungati, Pargana
Chhavrigati, Teh & Distt Simla

(The property as mentioned in the sale deed No 1082 of
December 1980 of the Registering Authority Simla)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 17-8-1981
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri A. P. Banda, Senior Divisional Manager,
L.I.C. of India, Sector 17, Chandigarh.
(Transferee)

(2) Smt. Joginder Kaur W/o Shri Gurdev Singh &
Smt. Jagdev Kaur W/o Sh. Tarlok Singh,
R/o 2239, Sec. 22C, Chandigarh.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 17th August 1981

Ref. No. KHR/35/80-81.—Whereas I SUKHDEV CHAND Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 673C, situated at Phase-II Mohali, Distt. Roop Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Kharar in December, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 673C, Phase-II, Mohali, Distt. Roop Nagar.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4576 of Dec. 80 of the Registering Authority Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 31d July 1981

Ref No. 340/81-82 —Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the competent authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. RS. No. 57/1, Plot No. 774 situated at Angol, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document number 3510 on 16-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Basalingavva W/o Shivashankar Balekundri, R/o No. 1704, Ramadevgalli, Belgaum. (Transferor)

(2) 1. Shri Appasaheb P. Gotadaki,
2. Smt. Vijavamala A. Gotadaki,
R/o No 486, Sherigalli, Belgaum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3510 dated 16-2-1981]

Open land measuring 859.94 Sqm. bearing RS. No. 57/1 Plot No. 774 situated behind Gogate College of Commerce, Anagol, Belgaum.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-7-1981.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Visrama Sirarama Sinai Khandeparkar,
H. No. 124, Khandepar Goa.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Antonio Menino Pacheco,
C/o Sri Caitana Silvena,
Gannem Bardora, Ponda, Goa.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORF-560001

Bangalore-560001, the 2nd July 1981

Ref No. 341/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH-
KUMAR RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Matriz No. 447, New Survey No. 23/1 situated at
Ponda—Panaji Road, Ponda,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ponda under document number 55 on 19-2-1981,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer:
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 55 Dated 19-2-1981)

Land measuring 7600 Sqm. (excluding the area occupied
by nullah and roads which is 100 Sqm.) known as "Metado
do Predio Tocximo" or "Goneca Conda Betu Nrique" or
"Madda Voril Bageta" enrolled in Matriz No. 447 and new
Survey No. 23/1, situated at Ponda-Panajim Road, Ponda,
Goa.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Ref. No. 342/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 179/9 (New) situated at Condolium, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mapusa under document number 108 on 23-1-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—236GI/81

1. (1) Shri Justino Lawrence Tome dus Neves Amaral alias Tome das Neves Amaral, R/o Caranzalem, Ilhas, Tisvaddi.
- (2) Kum. Vilma Amelia Amaral D/o Justino das Neves Amaral, R/o Caranzalem, Ilhas.
- (3) Shri Walter Carmel Basil Amaral S/o Justino Amaral, Acting through Shri Justino Amaral.
- (4) Smt. Liberata Aleluia Virginia Victoria de souza, R/o Ana Vaddo, Candolim.
- (5) Shri Bernard Francis de Souza, R/o Bandra, Bombay-50.
- (6) Shri Antonia Visitacao Pinto e Rodrigues, R/o Ana Vaddo, Candolim.
- (7) Shri Denise Edward Pinto, R/o Bandra, Bombay-50.

(Transferor)

2. Smt. Satiavati Jaidev Sangodkar, R/o Candolim, Bardez.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 108, dated 23-1-1981)

Land and building known as 'Dempeacheon bata' or "Ganga Matiol" surveyed under No. 179/9, situated at Candolim, Goa.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 3-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Shri Servulo Britto.
(2) Smt. Aniceta Britto.
R/o Nerul, Ward Batler, Bardez, Goa.
(Transferor)
- (2) Shri Shankar Usno Bhobe.
R/o H. No. 5/229, Alto Mapusa, Bardez, Goa.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Notice No. 343/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH-KUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1 situated at Feira Alto Mapusa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mapusa under document number 116 on 9-2-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 116, Dated : 9-2-1981)
Flat No. 1 on the ground floor of the building known as "Belle View" situated at Feira Alto Mapusa, Goa.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 3-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Notice No. 344/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH KUMAR RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS. No. 333-8/4 situated at Gondhali Galli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Belgaum under document number 3467 on 10-2-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Gangadhar P. Munchadikar,
(2) Shri Krishna P. Munchadikar,
(3) Shri Shivaji P. Munchadikar.
R/o H. No. 333-8/A, Gondhaligalli, Belgaum.
(Transferor)
- (2) (1) Shri Krishnamurthi L. Sutarave.
(2) Shri Vinayakumar L. Sutarave.
(3) Shri Chandrakant L. Sutarave.
R/o H. No. 333-8/A, Gondhaligalli, Belgaum.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3467, dated : 10-2-1981)
Land and building bearing CTS. No. 333-8/4 situated at Gondhaligalli, Belgaum.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 3-7-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Notice No. 345/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITH KUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Bungalow No. BC-59 on GLR No. 198 situated at Camp, Belgaum,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Belgaum under document number 3622 on 26-2-1981 from apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Vimalabai Veeragouda Desai.
(2) Shri Lingouda Veeragouda Desai.
(3) Smt. Vijaya Daulatagouda Patil.
(4) Miss Nirmala Veeragouda Desai.
R/o H. No. 225, Tikakawadi, Belgaum.
(Transferors)
- (2) (1) Shri Kishore Purushottam Pradhan.
(2) Smt. Rekha Kishore Pradhan.
(3) Smt. Usha D. Desai.
(4) Shri Prabhat D. Desai.
R/o. Nagzari Hill, Belgaum.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document number 3622, dated : 26-2-1981)
Land and bungalow No. BC-59 on GLR No. 198 with outhouses, compound etc., situated at Camp (Cantonment) Belgaum.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 3-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Notice No. 346/81-82.—Whereas, I,
DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Door No. 599/1 to 5 situated at 5th Ward, KB
Extension, Davanagere
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering
Office at Davanagere under document number 5820 on
5-2-1981
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri B. N. Harsha, S/o late B. N. Narappa Mandi-
pet, Davanagere.
(Transferor)
(2) Shri B. N. Rajashekhar S/o late B. N. Narappa,
Mandipet, Davanagere.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5820 dated 5-2-1981]
Land and building bearing Door No. 599/1 to 5 situated
at 5th Ward, KB Extension, Davanagere.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 3-7-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 3rd July 1981

Notice No. 347/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 206(old) present No. 251 situated at 4th Ward, Chamarajpet, Davanagere (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Office at Davanagere under document number 5820 on 5-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri B. N. Rajashekhar, S/o late B. N. Narappa, Mandipet, Davanagere.

(Transferor)

(2) Shri B. N. Harsha S/o, late B. N. Narappa, Mandipet, Davanagere.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5820 dated 5-2-1981]
Land and building bearing Door No. 206 (Old) present No. 251 situated at 4th Ward, Chamarajpet, Davanagere.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore,

Dated : 3-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th July 1981

Notice No. 348/81-82.—Whereas, I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 599/1 to 5 and 1107 (part) situated at K. B. Extension, Davanagere (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Davanagere under document number 5819 on 5-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri B. N. Muniyappa S/o late B. N. Narappa, Jayachamarajnagar, Hubli. (Transferor)
(2) Shri B. N. Harsha, S/o late B. N. Narappa, Mandipet, Davanagere. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5819 dated 5-2-1981]
Land and building bearing Door No. 599/1 to 5 and godown bearing door No. 1107 (Part) situated at V Ward, KB Extension and Regulated market area, Davanagere respectively.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 9-7-1981
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th July 1981

Notice No. 349/81-82,—Whereas, I,
DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. CTS No. 4595, situated at 1st Ward, Shri
Jayachamarajnagar, Hubli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering
Office at Davanagere under document number 5819 on
5-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri B. N. Harsha, S/o B. N. Narappa, Mandipet,
Davanagere. (Transferor)
(2) Shri B. N. Muniyappa S/o late B. N. Narappa,
Jayachamarajnagar, Hubli. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 5819 dated 5-2-1981]
Land and building bearing CTS. No. 4595 situated at
1st Ward, Shri Jayachamarajnagar, Hubli.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Dated : 9-7-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore, the 25th July 1981

Notice No. 350/81-82.—Whereas, I,
DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S.N. 125/Sub. Division 1 to 15 situated at Varca, Taluka Salcete, Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Margao (Goa) Document No. 358/80-81 on 26-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—236G1/81

- (1) (1) Shri Damodar Naik
(2) Smt. Leelavati Damodar Naik
both residing at Comba, Margao (Goa).
(Transferor)
(2) M/s. West Const. Hotels Limited, Rep. Bq its
Director Sri. Vasantao S. Dempo, Dempo House,
Campal, Panaji (Goa).
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 358/80-81 dated 26-12-1980]
Plot of land with an area of 65,000.00 sq.m detached from the property known as "coconut Grove, First Second and Third Lantos de Praias, situated at Varca Gram Panchayat, Salcete Taluka & District of Goa under survey No. 125/1 to 15.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Dated : 25-7-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 17th August 1981

G.I.R. No. K-103/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 281 situated at Chandralok Housing Colony, Kursi Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26-12-1980 on 26-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gyan Prakash Saxena. (Transferor)
(2) Smt. Kamni Rastogi. (Transferees)
(3) Shri Gyan Prakash Saxena. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 281 measuring 3840 sq. ft. situate at Chandralok Housing Colony, Kursi Road, village-Sheikhpur and Tatarpur, Pargana-Tehsil and Distt. Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 7804 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 26-12-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW.

Lucknow, the 17th August 1981

G.I.R. No. M-125/Acq.—Whereas, I,
A. S. BISEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 50/40, situated at Jai Narain Road, Husainganj,
Lucknow
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Lucknow on 5-12-1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid which is less than the fair
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the par-
ties has not been truly stated in the said instrument of trans-
fer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
namely :—

(1) Smt. Vishni Devi Nigam.

(Transferor)

(2) Smt. Meena Jaiswal.

(Transferee)

(3) Tenants : (1) Shri M. B. Asthana,

(2) Shri M. R. Tewari,

(3) Shri L. Prasad,

(4) Shri Shital Prasad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 50/40, situate at Jai Narain Road, Husain-
ganj, Lucknow, and all that description of the property
which is mentioned in the sale deed and form 37G No.
7265 which have duly been registered in the office of the
Sub-Registrar, Lucknow, on 5-12-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 17th August 1981

G.I.R. No. R-157/Acq.—Whereas, I,
A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 92/88-B situated at Beruni Khandak (Gautam Budh Marg), Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 24-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sharda Prasad Kesarwani. (Transferor)
(2) Shri Rajendra Prasad Rastogi. (Transferee)
(3) Above transferor.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 92/88-B, situate at Beruni Khandak (Gautam Budh Marg), Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 7698 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 24-12-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1027.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Khasra No. 293, 294 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dr. Udhistar Deo Sharma S/o Shri Surya Narain Ji Sharma Niwasi Sokiyo Ka Rasta, Kishan-pole Bazar, Chokari Topkhana Desh, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Naresh Kumar Godhwani S/o Shri Khiyal Das, 97, Kanwar Nagar, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1007 sq yard situated at Village Vijay Mahal Dushadera Kothi Teh. & Distt. Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 110 dated 6-1-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ret. No. IAC/Acq./1032.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-48B situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jaipur on 20-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Singh Rathore S/o Sadul Singh Ji G.P.A. holder Smt. Ramiji Devi Chauhan W/o Shri S. K. Chauhan Niwasi Gali No. 6, Raja Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Prakash Devi Dugad W/o Nirmal Kumar Dugad, Niwasi Kundigaron Ke Bhenro Ka Rasta, Jaipur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. A-48 B, Moti Doongari Scheme, Shanti Path, Jaipur measuring 722.20 sq. yd. & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 228 dated 20-1-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1028.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Udaipur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 31-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Kant Bhatiya S/o Roop Chand through G.P.A. Shri Roopchand Bhatiya, Udaipur. (Transferor)
- (2) Shri Ved Prakash S/o Late Shri Karanachand Vadhwani C/o Prakash Time Industries, 19 Out of Surajpole, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot at Alkapuri, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 4156 dated 31-12-80.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1029.—Whereas, I,
M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Plot situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 6-1-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kant Bhatiya S/o Roop Chand through G.P.A. Shri Roop Chand Bhatiya, Udaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Om Prakash S/o Late Shri Karamchand Vadhani C/o Prakash Time Industries, 19 Out of Surajpole, Udaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot at Alkapuri, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 21 dated 6-1-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1030—Whereas, I, **M. L. CHAUHAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Udaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 3-1-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23—236GI/81

(1) Shri Shrikant Bhatiya S/o Roop Chand C/o G.P.A. Shri Roop Chand Bhatiya, Udaipur. (Transferor)

(2) Shri Chandra Prakash S/o Late Shri Karamchand Vadhani C/o Prakash Time Industries, 19, Suraj Pole Bazar, Udaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot at Alka Puri, Udaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Udaipur vide his registration No. 1 dated 3-1-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1025.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding in the Office of the Registering Officer at Beawar on 3-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hazari S/o Dhanna Ji Rawat, Bhag Singh, Laxman Singh sons of Kaluji, Dhapu Devi Wd/o Kalu Ji Rawat, Niwasi Sigadiya Teh. Beawar.
(Transferor)

(2) Shri Dinesh Ghandra S/o Manak Chand Ji Kataria, Pipaliya Bazar Beawar & Mahavir Chand S/o Mangalchand Gandhi Niwasi Sojat Road Post Soat Distt. Pali.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 Bigha 5 Biswa 10 Biswansi situated at Naya Nagar, Beawar & more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide his registration No 3689 dated 3-12-1980.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1024.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Beawar on 9-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Hazari Lal S/o Shri Dhanna Singh,
(2) Shri Mugu Singh, S/o Shri Kalu and Laxman Singh S/o Shri Kalu Singh,
(3) Smt. Dhapu Devi W/o Shri Kalu Rawat R/o Singhariya Teh. Beawar.

(Transferors)

- (2) (1) Shri Manak Chand S/o Shri Mishri Lal Katariya R/o Mahavir Bazar, Beawar and
(2) Shri Shanti Lal S/o Shri Mangal Chand Gandhi R/o Sojat Road, Distt. Pali.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 Bigha 18 Biswas 3 Biswasi and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide his registration No. 3815 dated 9-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1022.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Uaya Nagar (Beawar)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Beawar on 10-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanhiya Lal Sharma S/o Suraj Karan Ji Sharma R/o Nehru Nagar, Beawar.

(Transferor)

- (2) M/s. Mahavir Colonizers, Beawar through its Partners Shri Paras Mal S/o Padam Singh Medatwal and Rameshwarlal S/o Shri Dhulchandji Bhootada, R/o Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 Bigha 5 Biswa at Naya Nagar Teh. Beawar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide his registration No. 3838 dated 10-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1023.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 9-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Laxman Singh S/o Shri Lal Singh Ji Bhati,
Rajput R/o near Dada Bari, Beawar.
(Transferor)
- (2)(1) Shri Banshi Lal S/o Shri Moolchand Ji,
(2) Smt. Premwati W/o Shri Banshi Lal Ji, Jati
Sunar, Sakin Gujran Mohalla, Beawar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Naya Nagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Beawar vide his registration No. 3819 dated 9-12-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Deep Chand Pahadiya S/o Late Shri Loon
Karan Pahadiya, B-Road, Sardarpura, Jodhpur.
(Transferor)

(2) Shri Prem Sukh S/o Shri Nath Mal Tank, Manager,
Bank of Baroda, Sahara Distt Bhilwara.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/Acq./1026.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Ladnu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ladnu on 22-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at southern side Khandeda, Ladnu and more fully described in the sale deed registered by S.R., Ladnu vide his registration No. 871 dated 22-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. 1033.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 65A situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 31-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jas Raj alias Jaswant Singh S/o Shri Mani Ram Jati Jat Niwasi Ladhuwala Teh. and Distt. Sriganganagar.

(Transferor)

- (2) Shri Suresh Chandra Gupta S/o Shri Vishambhar Dayal Jati Agarwal Niwasi 149, Vinoba Basti, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 65 A at Kotwali Road, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide his registration No. 2699 dated 31-12-80.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. 1034.—Whereas, J. M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 65B situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 12-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhim Raj S/o Shri Mani Ram Jati Jat Niwasi Ladhewala Teh. and Distt. Sriganganagar.
(Transferor)
- (2) Shri Ishwar Chand Agarwal S/o Shri Kanwar Sen Jati Agarwal Niwasi 76 D, Block, Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 65B, at Gole Bazar, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide his registration No. 2368 dated 12-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. 1037.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ganesh Talkies situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 8-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—236GI/81

(1) Shri Ram Kishan Behani S/o Laxminarain Behani Maheshwari Niwasi Hanumangarh C/o Anand Theater, Hanumangarh Jn.

(Transferor)

(2) Shri Gopi Ram Goyal Advocate S/o Shri Mangat Ram, House No. 1, Satyanarain Mandir, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Ganesh Talied at Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide his registration No. 2348 dated 8-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. 1038.—Whereas, I. M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ganesh Talkies situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar 11-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kishan Behani S/o Shri Laxminarain Behani Maheshwari Niwasi Hanumangarh C/o Shri Anand Theater, Hanumangarh Jn.

(Transferor)

- (2) Shri Satish Chandra S/o Shri Gopiram Goyal House No. 1, Satyanarain Mandir, Sriganganagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Ganesh Talkies at Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar, vide his registration No. 2347 dated 11-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-8-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. IAC/ Acq./1036.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ganesh Talkies situated at Sriganganagar, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 8-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Kishan Behani S/o Laxminarain Behani Maheshwari Niwasi Hanumangarh C/o Anand Theater, Hanumangarh Jn.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar Goyal S/o Shri Gopi Ram Goyal Niwasi House No. 1, Satyanarain Mandir, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Ganesh Talkies at Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide his registration No. 2345 dated 8-12-80.

M. L. CHAUHAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-8-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 17th August 1981

Ref. No. 1035.—Whereas, J. M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ganesh Talkies situated at Sriganganagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 6-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Kishan Behani S/o Shri Laxminarain Behani Maheshwari Niwasi Hanumangarh C/o Shri Anand Theater, Hanumangarh Jn.
(Transferor)

(2) Shri Radhe Shyam Goyal S/o Shri Gopi Ram Goyal Niwasi House No. 1, Satyanarain Mandir, Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Ganesh Talkies at Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by S.R., Sriganganagar vide his registration No. 2346 dated 6-12-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 17-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th August 1981

Ref. No. L.C. 528/8-82.—Whereas, I. T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Narakkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narakkal on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Resamma Johnson,
W/o Late Sri Johnson,
Jaya Nivas, Karakkat Road,
Karithala Desom,
Ernakulam.
(Transferor)
- (2) (1) M/s Majestic Cinema, Narakkal (Rep. by
Mg. Partner. Mrs. Fathima Ismail).
(2) Shaji Ismail
(3) M.I. Fisal
(4) M.I. Seena,
(Partners)
Mandath House, Alwayekora, Alwaye Pakuthy.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

49.860 cents of land with a theater in Sy. No. 222 of Narakkal village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN

Cochin-682016, the 11st August 1981

Ref. No. L.C. No. 529/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 5-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri France, S/o Joseph,
Balummel, Ernakulam.

(Transferor)

(2) M/s. Philcmina Joseph & Sons,
Prakash Bhavan, Padiath Road,
Ernakulam.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19.250 cents of land with building in Sy. No. 567 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016
Cochin-682016, the 11th August 1981

Ref. No. L.C. No. 530/81-82.—Whereas, I, T.Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Abdullakutty,
(2) Smt. Suhara
(3) Smt. Asua Umma, Alumkaparambu,
Thrikkannarvattam, Ernakulam.
(Transferors)
- (2) Shri Kechouseph, S/o Thomas, Parappur, Chittilappilly, Trichur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15.454 cents of land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-8-1981
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Muhammed Ali (2) Syed Muhammed and
(3) Smt. Khadija, Alunkal parambu, Thrikkanar-
vattam, Ernakulam.

(Transferors)

- (2) Smt. Radhamani,
D/o M. K. Kesavan, Nellyat, Ezhupunna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th August 1981

Ref. No. L.C. No. 531/81-82.—Whereas, I, T.Z. MANI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ernakulam on 22-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

12.890 cents of land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of
Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-8-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Syed Muhamed (2) Abdul Azeez (3) Saramma,
Alunkaparambu, Thrikkaravattam, Ernakulam,
(Transferor)

(2) (1) Sri Sankunni
(2) Shri Ramakrishnan
(3) Shri Pavithren
(4) Shri Lalen, S/o Shri Ayyappan, Veliyil House,
Chalikkavattam, Cochin-25.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11st August 1981

Ref. No. L.C. No. 532/81-82.—Whereas, I, T.Z. MANI
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Ernakulam and more fully
described in the schedule annexed hereto, has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Ernakulam on 22-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

24—236GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

18,016 cents of land with building in Sy. Nos. 410/4 &
410/5 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-8-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 11th August 1981

Ref. No. L.C. No. 533/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Abdulkhader (2) Smt. Pathumma alias Kechupathumma, Alunkaparambu, Thrikkanarvattam, Ernakulam.

(Transferor)

- (2) Smt. Achamma, D/o Shri Thomas, Parappur, Chittilappilly, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11.590 cents of land in Sy. No. 410/4 and 410/5 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 11-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 13th August 1981

Ref. L. C. No. 534/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 20-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri J. Daniel,
Welfare Clinic,
Palluruthy.

(Transferor)

(2) (1) Shri N. Muralaeddharan Nair,
(2) Smt. K. Hymavathy,
Advocates, Poornima,
Padiyath Road, Cochin-16.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.636 cents of land with a building in Sy. Nos. 2510/1&2, 2371/2 of Ernakulam Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 13-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS",
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 19th August 1981

Ref. No. L.C. 535/81-82.—Whereas, I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. as per scheduled situated at Trivandrum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trivandrum on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Usha Dineshan, Usha Bhavan, Irshimangalam Ward, Pathirickari Muri, Trivandrum.

(Transferor)

- (2) (1) Sri M. P. Lawrence,
(2) Smt. Amala Lawrence W/o M. P. Lawrence, TC. 12/1379, University Road, Kunnukuzhi, Trivandrum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

74 Cents of land with building in Vanchiyoor Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAHBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 19th August 1981

No. REF. L.C. 536/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 12-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri N. P. Lalan,
S/Popatlal Moolgi,
Opp : Royal Talkies,
Mattancherry.

(Transferor)

- (2) Smt. V. C. Zuhara,
W/o Haji P. H. Mohammed Ibrahim,
Merchant, Bazar Road, Mattancherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 cents of land with buildings in Sy. No. 28/1 & 9 in Mattancherry Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 19th August 1981

No. REF. L.C. 537/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 12-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri N. P. Lalan,
S/Popatlal Moolgi,
Opp : Royal Talkies,
Mattancherry.

(Transferor)

(2) Sri Haji P. H. Mohammed Ibrahim,
Merchant, Bazar Road,
Mattancherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9.430 cents of land in Sy. No. 28/1 etc. in Mattancherry Village.

T. Z. MANI

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.",
ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 19th August 1981

No. REF. L.C. 538/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 12-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri N. P. Lalan,
S/Popatlal Moolgi,
Opp : Royal Talkies,
Mattancherry.

(Transferor)

(2) Smt. V. C. Zuhara,
W/o Haji P. H. Mohammed Ibrahim,
Merchant, Bazar Road, Mattancherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

8.770 cents of land in Sy. No. 28/1 etc. in Mattancherry Village.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS.", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin, the 19th August 1981

No. REF. L.C. 539/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Mattancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cochin on 12-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri N. P. Lalan,
S/Popatlal Moolgi,
Opp : Royal Talkies,
Mattancherry.

(Transferor)

(2) Smt. V. C. Zuhara,
W/o Haji P. H. Mohammed Ibrahim,
Merchant, Bazar Road, Mattancherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

20.675 cents of land with building in Sy. No. 28/1 etc. in Mattancherry Village.

T. Z. MANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 19-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2712.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

25—236G1/81

- (1) Shri Sanjay Pal & Mangat Pal
Ss/o Sh. Balaka Singh resident of V. Jaitu,
Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Sanjiv Kumar S/o Sh. Brij Lal
resident of V. Jaitu, Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1125 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jaitu.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2713.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980), in the office of the Registering Officer at Jaitu on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Parshotam Kumar & Kashmir Singh
Ss/o Balaka Singh
R/O Village Jaitu Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Shri Rajesh Kumar S/o Sh. Brij Lal
R/o Village Jaitu Distt. Faridkot. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1126 of dated December, 80 of the Registering Authority, Jaitu.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2715.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at V. Narinderapura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Balbir Kaur mother of Sh. Baljinder Singh S/o Rajinder Singh r/o Vill. Narinderupura, Tehsil Mansa, Distt. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Arminder Singh S/o Sh. Tejinder Singh R/o Vill. Narinderupura, Tehsil Mansa, Distt. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons mentioned in registration sale deed No. 5889 of dated March, 81 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-8-81
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2716.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at V. Narinderapura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on March, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Balbir Kaur mother of
Sh. Baljinder Singh S/o Rajinder Singh
r/o Vill. Narinderpur, Tehsil Mansa,
Distt. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Gurprit Singh S/o Sh. Tejinder Singh
R/o Vill. Narinderpur, Tehsil Mansa,
Distt. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons mentioned in the registration sale deed No. 5890 of dated March, 81 of the Registering Authority, Mansa.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2717.—Whereas, I, GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Model Town Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Capt. Bhagat Ram S/o Shri Basant Ram, General Attorney of Smt. Maya Wanti Wife of Capt. Bhagat Ram, 98 Church Road, Jangpura, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Jagbir Singh S/o Sh. Kapur Singh R/o 573, Model Town, Jullundur now 34-35, New Market, Model Town, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5665 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-8-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2718.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Model Town Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Capt. Bhagat Ram s/o Shri Basant Ram, General Attorney of Smt. Maya Wanti Wife of Capt. Bhagat Ram, 98 Church Road, Jangpura, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harjeet Singh s/o Sh. Kapur Singh r/o 5/3, Model Town, Jullundur.

(Transferee)

*(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice to the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5692 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81
Seal :

FORM I.T.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref No A P No 2719—Whereas, I,
R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hardev Singh s/o Sh Harkishan Singh self and Mukhtar-Ai Am of (1) Smt. Kuldip Kaur w/o Sh Harkishan Singh and (2) Smt Sushil Kaur Wife of Capt Charanjit Singh and (3) Smt Rajendar Kaur Wife of Sh Santokh Singh R/O Basti Bawa Khel, Jullundur,

(Transferor)

(2) Shrimati Sawan Jain w/o Sh Shripal, Naresh Jain s/o Sh Shripal, Chaim Lal Jain s/o Sh Hans Raj, Pushpinder Kumar s/o Dr Sahib Dayal Jain, and Sh Sumil Kumar s/o Sh Padam Kumar, r/o 248, Lajpat Nagar, Jullundur

(Transferee)

* (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

* (4) Any other person interested in the property,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No 5586 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2720.—Whereas, I,

R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mail Kaur wife of Sh. Bakhshish Singh and Kehar Singh, Kabal Singh Ss/o Sh. Makhan Singh, of Basti Sheikh, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Gurbachan Kaur wife of Sh. Roshan Singh R/o WS 325, Basti Sheikh, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5446 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2721.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at J. Ladowali (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26—236GI/81

(1) Shri Sarbjit Singh S/o Col. Narain Singh R/O Vill. Ladowali, Tehsil Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Bachitter Singh S/o Sh. Behari Lal R/o House No. B-XII-172, Rajinder Nagar, Ladowali Road, Jullundur.

(Transferee)

* (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

* (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5756 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2722.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Ladhewali (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sarbjit Singh s/o Col. Narain Singh r/o Vill. Ladhewali, Tehsil Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Jaidev Singh s/o Shri Behari Lal r/o House No. B-XII-172, Rajinder Nagar, Ladowali Road, Jullundur.
(Transferee)

* (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

* (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5992 of dated January, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2723.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. As per Schedule situated at Vill. Lidhran
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Jullundur on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceed the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Shri Kulbir Singh, Lakhbir Singh & Surinder Pal
Singh Ss/o Sh. Uttam Singh R/o Vill. Kalyanpur
Tehsil Jullundur through Muktiar-Ai-Am Sh.
Uttam Singh.

(Transferor)

(2) Shri Gurdev Singh, Harminder Singh & Charan
Singh Ss/o Sh. Jarnat Singh R/o Vill. Lidhran,
Tehsil Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 5653 of dated December, 1980 of the Registering
Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2724.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Barnala Kalan, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at Nawan Shahr on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property fair market value of the aforesaid property and I have as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gunder Singh S/o Sh. Ajit Singh R/o Vill. Barnala Kalan, Tehsil Nawan Shehr.

(Transferee)

- (2) Shri Manjit Singh, Rajinder Singh & Parmjit Singh Ss/o Sh. Gurcharan Singh, H. No. 81/1, Mohalla Gobind Garh, Nawan Shehr.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & persons as mentioned in the registration sale deed No. 3177 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Nawan Shehr.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2725.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.As per schedule situated at V. Jakopur Khurd
(and more fully described in the Schedule annexed hereto
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Shahkot on Dec. 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/S Gobind Rice & General Mills, Lohian
through : 1. Sh. Shangana Singh S/o Sh. Ujagar
Singh r/o Lohian, Khas. 2. Sh. Basant Singh S/o
Harnam Singh 3. Sh. Sadhu Singh S/o Sh. Har-
nam Singh 4. Sh. Karnail Singh S/o Sh. Harnam
Singh, 5. Sh. Pritam Singh S/o Sh. Bhagat Singh
r/o Sultan Pur 6. Sh. Parmjit Singh S/o Sh.
Bachan Singh r/o Nawan Pind Donebla Teh.
Nakodar.

(Transferor)

- (2) M/s New Sawan Rice & General Mills, Lohian,
Tehsil Nakodar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
deed No. 1748 of December, 1980 of the Registering Autho-
rity, Shahkot.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Rel. No. A.P. No. 2726.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Som Dutt Bhatara S/o Sh. Ram Saran Dass Mukhtiar-Ai-Am S/Shri Raj Kumar, Ashok Kumar Ss/o Sh. Ram Parkash R/o Central Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Surjeet Singh S/o Sh. Ujagar Singh R/o Central Town, Phagwara.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale Deed No. 2275 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-8-81

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2727.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on Dec. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chaman Lal S/o Sh. Ram Chand Jain R/o ND-48, Mohalla Bikram Pura, Jullundur.
(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Kumar S/o Sh. Kasturi Lal, Smt. Nirmal Kumari W/o Sh. Parjan Kumar, Smt. Shanti Devi Jain W/o Sh. Kasturi Lal, Smt. Vinod Jain W/o Sh. Vinod Kumar, Smt. Kamla Jain W/o Sh. Sudarshan Kumar Jain & Smt. Kiran Jain w/o Sh. Parmodh Kumar R/o 403-404, Adarsh Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 5367 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 18-8-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
IONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2728.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. As per schedule situated at Ajram
(and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hoshiarpur on Dec. 1980for an apparent consideration which is less than fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Amrik Singh, Balbir Singh S/o Sh. Naranjan
Singh R/o Vill. Ajram Distt. Hoshiarpur.
(Transferor)
- (2) Shri Maluk Singh S/o Raghbir Singh r/o \
Ajram, Distt. Hoshiarpur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
Deed No. 3848 of December, 1980 of the Registering Autho-
rity, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A P. No 2729—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Dec 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—
27—236GI/81

- (1) Shri Ujagar Singh S/o Sh Nand Singh, R/o G. T. Road, Phagwara
(Transferor)
- (2) Shri Ro-han Singh S/o Sh. Jaswant Singh R/o Jagraon Road, Ludhiana.
(Transferee)
- (3) As S No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale Deed No. 2343 of December, 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 18-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2730.—Whereas, I,

R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Scheduled situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Barjinder Singh S/o Raja Harminder Singh, Mukhtiar-Ai-Am Smt. Usha Devi wife of Raja Harminder Singh r/o Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal S/o Shri Tikan Ram, Smt. Thaker Devi W/o Shri Manohar Lal Yog Raj S/o Manohar Lal, Smt. Nanki Devi W/o Sh. Yog Raj Sh. Tilak Raj, S/o Sh. Manohar Lal, Smt. Nirmal Rani W/o Sh. Tilak Raj r/o House No. 315-316, Mohalla Qasaban, Kapurthala.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2772 of December, 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2731.—Whereas, I,

R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Dec. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reductions or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jaswinder Singh, Harnek Singh S/o Sh. Balwant Singh, Smt. Joginder Kaur and Smt. Sharam Kaur Wd/o Sh. Balwant Singh and Sh. Gurtek Singh S/o Sh. Balwant Singh R/o Vill. Kala Tiba, Tehsil Fazilka.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi W/o Sh. Hazari Lal R/o Gali No. 6, Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale Deed No. 2741 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2732.—Whereas, I,
R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. As per schedule situated at Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Abohar on Dec. 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Gopal Chand S/o Sh. Ram Chand, R/o Gali
Sunder Ashran, Fazilka.
(Transferor)
- (2) Shri Faqir Chand, Rajinder Pal & Surinder Kumar
Ss/o Sh. Des Raj Bansal, r/o Gali No. 21, Gau-
shala Road, Abohar.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale
Deed No. 2502 of December, 1980 of the Registering Autho-
rity, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated : 18-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 20th August 1981

Ref. No. A.P. No. 2733.—Whereas, I,

R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Poonian, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nawashehr on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Milkha Singh S/o Sh. Bawa Singh R/o Village Poonian Tehsil Nawanshehr, Distt. Jullundur now Amberia Tobvabad Teh. Bilaspur (U.P.).

(Transferor)

- (2) Shri Jaswinder Singh S/o Shri Amrik Singh R/o Village Bilga Tehsil Phillaur, Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned, knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3074 of dated December, 1980 of the Registering Authority, Nawanshehr.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 20-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Abdul Rahim Khan.

(Transferor)

(2) Shri Haradhan Dey.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
CALCUTTA

Calcutta, the 18th August 1981

Ref. No. 938/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23 and 24 situated at Gobinda Banerjee Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 20-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs more or less together with tin and tiled shade old structure situated and being premises No. 23 and 24, Gobinda Banerjee Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date : 18-8-1981

Seal :